राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

भव्य खबर

पेज : 8

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, गुरुवार, 13 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 347 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक इनामी समेत पांच नक्सली गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ (एजेंसी): छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक इनामी समेत पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के उसूर थाना क्षेत्र में मारूड़बाका गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने पांच नक्सलियों -- नारायण भण्डारी (45), धरमा काका (21), नीला काका (25), किस्टा ध्रुवा (30) और रामबाबू पूनेम (26) को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि नक्सली नारायण मारूड़बाका दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन का अध्यक्ष है तथा उसके सर पर एक लाख रूपए का इनाम था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में चल रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत सोमवार को उसूर थाने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जिला पुलिस बल के संयुक्त दल को नेलाकांकेर, मारूड़बाका और कमलापुर गांव की ओर रवाना किया गया था।

'देश को विकसित करने में पूर्वोत्तर का योगदान महत्वपूर्ण', गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- 'सरकार शांति के लिए प्रतिबद्ध'

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि विकसित भारत के निर्माण में पूर्वोत्तर क्षेत्र का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होगा। गृहमंत्री शाह ने 'स्टूडेंट एक्सपीरियंस इन इंटर-स्टेट लिविंग' (एसईआईएल) द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर छात्र एवं युवा संसद को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार पूर्वोत्तर के विकास, एकता और शांति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के दिल के बहुत करीब है। उन्होंने कहा, विकसित भारत के निर्माण में पूर्वोत्तर का योगदान सबसे अहम होगा। गृह मंत्री ने इस क्षेत्र की विपुल क्षमता का भी उल्लेख किया। उन्होंने भारत में सबसे अधिक बौद्धिक क्षमता वाले पूर्वोत्तर के युवाओं की भी प्रशंसा की तथा कहा कि यह क्षेत्र कुछ सर्वाधिक परिश्रमी जनजातियों की भूमि है। गृह

मंत्री अमित शाह ने इस बात पर जोर दिया कि पूर्वोत्तर विविधताओं से भरा प्रदेश है, जहां 220 से अधिक जनजातीय समूह, 160 जनजातियां, 200 बोलियां और भाषाएं, 50 अनूठे पर्व और 30 से अधिक विश्व प्रसिद्ध नृत्य शैलियां हैं। गृह मंत्री ने स्वीकार किया कि अपनी अनेक विशिष्ट विशेषताओं के बावजूद पूर्वोत्तर विकास में पिछड़ गया, क्योंकि विभिन्न विवादों के माध्यम से उग्रवाद और अलगाववाद को भड़काया गया था। हिंसा, बंद, मादक पदार्थ, नाकेबंदी और क्षेत्रवाद ने क्षेत्र को खंडित कर दिया है, जिससे न केवल पूर्वोत्तर और देश के बाकी हिस्सों के बीच विभाजन पैदा हुआ है, बल्कि क्षेत्र के भीतर राज्यों के बीच भी विभाजन पैदा हुआ है। इसके कारण क्षेत्र को विकास में 40 वर्षों की देरी का सामना करना पड़ा। इस अवधि के दौरान आतंकवाद और अलगाववादी समूह मुख्य बाधाएं रहे।गृह मंत्री ने कहा कि जब भी भाजपा सत्ता में आई है, उसने हमेशा पूर्वोत्तर को प्राथमिकता दी है। पहले इतने बड़े और अविकसित क्षेत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के दिल के बहुत करीब

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में पूर्वोत्तर क्षेत्र का योगदान सबसे महत्वपूर्ण होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के दिल के बहुत करीब है।

(पूर्वोत्तर क्षेत्र) के लिए कोई अलग मंत्रालय नहीं था, लेकिन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान इसकी स्थापना हुई। गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि इस क्षेत्र और शेष भारत के बीच की दूरी को कम करना है। शाह ने घोषणा की कि 2027 तक पूर्वोत्तर के सभी राज्यों की राजधानियां रेल, वायु और सड़क नेटवर्क से जुड़ जाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच संपर्क बढ़ाया बल्कि भावनात्मक विभाजन को भी पाटने का काम किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने इस क्षेत्र को हर योजना के केंद्र में रखा है। एक-एक करके उग्रवादी समूहों से चर्चा की, उनकी च्चताओं को समझा तथा समझौतों के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए काम किया है। 2004 से 2014 के बीच इस क्षेत्र में हिंसा की 11 हजार घटनाएं हुईं, जबकि 2014 से 2024 तक यह लगभग 70 प्रतिशत घटकर 3,428 रह गई। सुरक्षा बलों की मृत्यु में 70 प्रतिशत तथा नागरिकों की मृत्यु में 89 प्रतिशत की कमी आई है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने सभी उग्रवादी समूहों के साथ समझौते किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 10,500 से अधिक उग्रवादियों ने अपने हथियार सौंप दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। पिछले 10 वर्षों में उग्रवादी समूहों के साथ 12 महत्वपूर्ण समझौते किए गए हैं। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत सरकार ने पूर्वोत्तर की भाषाओं, बोलियों, संस्कृतियों, वेशभूषा, पारंपरिक नृत्यों और कलाओं का सम्मान और संरक्षण किया है। अमित शाह ने कहा कि भारत की आजादी के बाद से सभी प्रधानमंत्रियों ने पूर्वोत्तर (असम को छोड़कर) में केवल 21 दौरे किए गए

अधिकारियों को जमीनी स्तर का लोकतंत्र विफल करने की नहीं दे सकते अनुमति, सुप्रीम कोर्ट ने एचसी का आदेश रखा बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी): सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के एक गांव में एक महिला को सरपंच पद पर बहाल करने के बांबे हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है और कहा कि अधिकारियों को जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को विफल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि महाराष्ट्र में हाल-फिलहाल में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिनमें अधिकारियों ने पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार किया। अदालत को यह भी पता चला है कि अधिकारी जमीनी स्तर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को अयोग्य ठहराने के लिए पुराने मामलों को खोलने की कोशिश कर रहे हैं। पीठ ने सात मार्च को जारी आदेश में कहा कि हम हाई कोर्ट की ओर से अपनाए गए

दृष्टिकोण से सहमत हैं। हम प्रतिवादी संख्या एक (कोकाले) को ग्राम पंचायत, ऐंघर, तालुका रोहा, जिला रायगढ़ की विधिवत निर्वाचित प्रधान के रूप में बहाल किए जाने का समर्थन करते हैं। कोकाले ने जिलाधिकारी के सात जून, 2024 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें सरपंच पद से उनके इस्तीफे पर महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम की धारा-29 के तहत मुहर लगाई गई थी, जबकि उन्होंने इस्तीफा वापस ले लिया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि कोकाले का इस्तीफा प्रभावी नहीं हुआ, क्योंकि उन्होंने 15 मार्च, 2024 को आयोजित एक बैठक में इसे वापस ले लिया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि जिलाधिकारी ने गलत निष्कर्ष निकाला कि सरपंच का पद रिक्त हो गया है,

जबकि उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि इस्तीफा पहले ही वापस ले लिया गया था। हाई कोर्ट ने जिलाधिकारी के आदेश को अवैध और रद किए जाने योग्य करार दिया था। इसके चलते भोसले का निर्वाचन शुरू से ही शून्य माना गया था। हाई कोर्ट ने कहा था, 'चूंकि, याचिकाकर्ता ने सरपंच का पद नहीं छोड़ा, इसलिए प्रतिवादी संख्या-चार के उस पद पर निर्वाचित होने का कोई सवाल ही नहीं है।

ट्रिपल इंजन वाली सरकार विकसित भारत के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी, निकाय चुनाव में जीत पर बोले सीएम सैनी

चंडीगढ़ (एजेंसी): नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा नौ महापौर पदों पर जीत हासिल करने के बाद, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को कहा कि स्थानीय निकाय सरकार और राज्य स्तर पर ट्रिपल इंजन सरकार विकसित भारत के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सैनी ने संवाददाताओं से कहा कि हमारी स्थानीय निकाय सरकार और यह ट्रिपल इंजन सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजे हरियाणा की ट्रिपल इंजन सरकार पर मुहर हैं। सैनी ने कहा कि आज आए

स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजों में हरियाणा की जनता ने ट्रिपल इंजन सरकार पर अपनी मुहर लगाई है। मैं हरियाणा की जनता का तहे दिल से धन्यवाद करता हूं। चुनाव आयोग और सभी अधिकारियों को शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने के लिए धन्यवाद देता हूं। हरियाणा में स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शानदार जीत दर्ज की है। मानेसर को छोड़कर नौ स्थानों पर उसके उम्मीदवारों ने मेयर पद पर जीत दर्ज की है। मतदान 2 मार्च को हुआ था। इससे पहले, फरीदाबाद से मेयर पद के लिए निर्वाचित परवीन जोशी ने बुधवार को लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह लोगों की कठिनाइयों और जरूरतों से वाकिफ हैं। उन्होंने लोगों की समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाते हुए केंद्रीय

सैनी ने संवाददाताओं से कहा कि हमारी स्थानीय निकाय सरकार और यह ट्रिपल इंजन सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मंत्री कृष्णपाल गुर्जर द्वारा दिए गए आश्वासनों से लोगों को अवगत कराया और कहा कि लोगों के लिए योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई बाधा नहीं आएगी। जोशी ने कहा मैं लोगों की कठिनाइयों और जरूरतों से वाकिफ हूं। पेयजल, कूड़ा और सीवर की समस्याएं हैं। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने आश्वासन दिया है कि हम मिलकर काम करेंगे और योजनाओं के क्रियान्वयन में कोई बाधा नहीं आएगी।

'नीतीश कुमार भंगेड़ी हैं, मेरा अपमान किया', विधान परिषद में टकराव के बाद सीएम पर भड़कीं राबड़ी देवी

बिहार (एजेंसी): आरजेडी विधायकों ने विधानसभा सत्र से वॉकआउट करते हुए आरोप लगाया कि सीएम नीतीश कुमार और सत्तारूढ़ गठबंधन, एनडीए ने पूर्व सीएम राबड़ी देवी सहित बिहार की महिलाओं का अपमान किया है। आरजेडी नेता राबड़ी देवी ने बाद में कहा कि नीतीश कुमार भंगेड़ी है, भांग पीकर विधानसभा आते हैं। वे महिलाओं का अपमान करते हैं, जिनमें मैं भी शामिल हूं। उन्हें देखना चाहिए कि जब हम सत्ता में थे, तब हमने किस तरह का काम किया था। उनके आस-पास के लोग जो कहते हैं, वही वे बोलते हैं। उनकी अपनी पार्टी के सदस्य और भाजपा के कुछ नेता उनसे ऐसी बातें कहने के लिए कह रहे हैं। राबड़ी देवी ने कहा कि बिहार में लूट, हत्या और महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं, लेकिन सरकार और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। इससे पहले राजद नेता राबड़ी ने अंतरराष्ट्रीय

महिला दिवस के मौके पर पार्टी द्वारा आयोजित एक समारोह में भाग लिया, जिसमें उनके बेटे तेजस्वी यादव भी शामिल हुए। राबड़ी देवी ने पूछा, नीतीश कुमार दावा करते हैं कि बिहार में जो भी अच्छा हुआ है,

वह 2005 के बाद से हासिल हुआ है, जब वे सत्ता में आए थे। क्या उनका जन्म भी उसी साल हुआ था? नीतीश पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने दावा किया कि वह यह कहने की हिम्मत रखते हैं कि बिहार में उनके सत्ता में आने से पहले लड़कियां और महिलाएं कपड़े नहीं पहनती थीं। क्या यह बात उनके अपने परिवार की महिलाओं के लिए भी सच है? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधान परिषद में राजद की महिला सदस्यों के साथ तीखी बहस के दौरान विपक्ष की नेता राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए कहा था कि इसके पति जब डूब गये तब अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया।

सदन में क्यों भड़क उठीं आतिशी? बोलीं- भाजपा विधायकों की विधानसभा में गाली-गलौज ठीक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र से पहले, आम आदमी पार्टी की नेता और सदन में विपक्ष की नेता आतिशी ने स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को कड़े शब्दों में पत्र लिखकर कार्यवाही के प्रति निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। आतिशी ने स्पीकर को लिखा पत्र पत्र में आतिशी ने पिछले विधानसभा सत्र के संचालन की निंदा की और स्पीकर पर पक्षपातपूर्ण माहौल को बढ़ावा देने का आरोप लगाया, जिससे विपक्ष को दरकिनार कर दिया गया। उन्होंने अनुचित व्यवहार की कई घटनाओं को उजागर किया और स्पीकर से सदन में लोकतांत्रिक मानदंडों को बहाल करने के लिए इन चिंताओं को दूर करने का आग्रह किया। आतिशी ने स्पीकर की भूमिका की तीखी आलोचना करते हुए कहा, "संसदीय लोकतंत्र में, स्पीकर विधायी बहस के निष्पक्ष संरक्षक के रूप में कार्य करता है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिष्टाचार बनाए रखना, हर आवाज को सुनना सुनिश्चित करना और निष्पक्षता के सिद्धांतों को बनाए रखना स्पीकर

की जिम्मेदारी है। उन्होंने तर्क दिया कि गुप्ता के नेतृत्व में, इन जिम्मेदारियों को नजरअंदाज किया गया और ऐसी कार्रवाई की गई जो "मनमाना" और "स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण" थी। आतिशी की मुख्य शिकायतों में से एक बोलने के समय का आवंटन था। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले सत्र के दौरान, विपक्षी विधायकों को भाजपा सदस्यों की तुलना में बोलने के लिए काफी कम समय दिया गया था। उन्होंने कहा, "जबकि भाजपा विधायकों को बोलने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था, कुछ ने तो 20 मिनट से अधिक समय तक बिना रुके बात की, विपक्षी विधायकों, जिनमें मैं भी शामिल हूं, उसको केवल 3-4 मिनट तक सीमित रखा गया था।" विपक्षी पार्टी को दिया गया कम बोलने का समय उन्होंने सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा का उल्लेख किया, जहां भाजपा के 18 वक्ताओं ने कुल 190 मिनट तक बात की, जबकि विपक्ष के केवल पांच वक्ताओं को मात्र 33 मिनट दिए गए। आतिशी ने तर्क दिया कि यह विधानसभा में प्रत्येक पार्टी के पास मौजूद सीटों की संख्या के अनुपात में नहीं था। उन्होंने कहा, "हमारी सीटों के अनुपात के अनुसार, आप को बोलने का 32% समय मिलना चाहिए था, फिर भी हमें केवल 14% समय आवंटित किया गया। यह असंतुलन विधायी बहसों में प्रभावी रूप से भाग लेने की विपक्ष की क्षमता को गंभीर रूप से कमजोर करता है।" आतिशी ने इस बात की ओर भी इशारा किया कि स्पीकर ने व्यवधानों को कैसे संभाला और सदन में सदस्यों का व्यवहार कैसा था। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी विधायकों को आवाज उठाने या असहमति जताने पर दंडात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के उन सदस्यों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिन्होंने इसी तरह या इससे भी बदतर व्यवहार किया।

'संभल सत्य है, किसी के पूजा स्थल पर जबरन कब्जा करना अस्वीकार्य', योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान

संभल (एजेंसी): संभल विवाद को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा बयान आया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि किसी की आस्था को जबरन छीनना और उसकी मान्यताओं को कुचलना अस्वीकार्य है - खासकर तब जब हम संभल के बारे में सच्चाई जानते हैं। योगी ने दावा किया कि संभल का उल्लेख 5,000 साल पुराने ग्रंथों में मिलता है, जो इस्लाम से भी पहले का है। संभल में श्री हरि विष्णु का मंदिर 1526 में नष्ट कर दिया गया था। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि भगवा मेरी पहचान है, सनातन धर्म की पहचान है और मुझे इस पर गर्व है। एक दिन पूरी दुनिया इसे अपनाएगी। लखनऊ में पांचजन्य और ऑर्गनाइजर द्वारा आयोजित 'मंथन-महाकुंभ और उससे आगे' कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पूजा स्थलों का सम्मान करने और धार्मिक स्थलों के संरक्षण के महत्व पर बल दिया। लोगों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने इस बात पर जोर दिया कि किसी के लिए भी पूजा स्थल पर जबरन कब्जा करना अस्वीकार्य है। उन्होंने संभल का जिक्र करते हुए कहा, "संभल सत्य है। मैं सभी संप्रदायों और धर्मों का सम्मान करता हूं, लेकिन अगर कोई जबरन किसी स्थान पर कब्जा करता है और किसी की आस्था को नष्ट करता है तो यह स्वीकार्य नहीं है।

संभल में 68 तीर्थ स्थल थे, और हमने अभी तक केवल 18 की पहचान की है। 56 साल में पहली बार वहां एक शिव मंदिर में जलाभिषेक किया गया।" योगी आदित्यनाथ ने गणतंत्र दिवस पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति द्वारा दिए गए बयान का हवाला देते हुए विदेशी आक्रांताओं के महिमामंडन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, "इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने हाल ही में कहा था कि जब उनका डीएनए टेस्ट होगा तो वह भारत का होगा। जो लोग भारत के संसाधनों का दुरुपयोग कर रहे हैं, उन्हें पहले अपना डीएनए टेस्ट कराना चाहिए। विदेशी आक्रांताओं का महिमामंडन करना बंद करें, क्योंकि जब संभल जैसी सच्चाई सामने आएगी तो कोई मुंह दिखाने लायक नहीं रहेगा।" सीएम ने महाकुंभ के महत्व पर भी प्रकाश डाला और इसे सनातन धर्म का सच्चा प्रतिनिधित्व बताया। उन्होंने कहा, "महाकुंभ सनातन धर्म के सच्चे सार की एक झलक है। इसने दुनिया को भारत की पहचान का एक दर्शन दिया, दुनिया को दिखाया कि भारत वास्तव में किस लिए खड़ा है: 'एक भारत श्रेष्ठ भारत'।"

लखनऊ में पांचजन्य और ऑर्गनाइजर द्वारा आयोजित 'मंथन-महाकुंभ और उससे आगे' कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने पूजा स्थलों का सम्मान करने और धार्मिक स्थलों के संरक्षण के महत्व पर बल दिया।

अपने संबोधन में, मुख्यमंत्री योगी ने महाकुंभ के बारे में कांग्रेस की नकारात्मक टिप्पणियों पर भी कटाक्ष किया। योगी ने कहा, "वे हर अच्छी पहल का विरोध करते हैं। आजादी के बाद पहला कुंभ मेला 1954 में आयोजित किया गया था, जब कांग्रेस सत्ता में थी और यह भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और अराजकता से भरा था। 1,000 से अधिक मौतें हुईं और उसके बाद हर कुंभ मेले में यही होता रहा। यह एक ऐसा तथ्य है जिसे छिपाया नहीं जा सकता।"

डिजिटल होली में रमती-बसती हमारी युवा पीढ़ी!

सुनील कुमार महला

आज तकनीक का बाजार हमारी संवेदनाओं का अतिक्रमण कर रहा है। आपस में सौहार्द और सद्भावना के साथ मिलकर होली खेलने में जो आनंद है, उस आनंद की अनूभूति वर्चुअल वर्ल्ड में कभी भी संभव नहीं हो सकती है, भले ही तकनीक के क्षेत्र में हम कितनी भी प्रगति और तरक्की क्यों न कर लें। वास्तव में हमें हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं का निर्वहन करते हुए पुनः सात्विक, सादगी भरे त्योहार मनाने की ओर लौटना होगा, तभी हमारी सनातन संस्कृति, संस्कार व त्योहारों को मनाने का सही अर्थ होगा और हम स्वयं को अधिक आनंदित, उल्लास से पूर्ण महसूस कर सकेंगे।

होली रंगों का त्योहार है। इस बार 13-14 मार्च को होली है। हर साल होली का त्योहार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि को मनाया जाता है। होलिका दहन के दिन को छोटी होली के नाम से भी जाना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास की पूर्णिमा के दिन बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में होलिका दहन किया जाता है। पाठक जानते होंगे कि हिरण्यकश्यपु के कहने पर होलिका भक्त प्रह्लाद को मारने के लिए अपनी गोद में बैठाकर अग्नि मंय प्रवेश कर गई, लेकिन भगवान विष्णु की कृपा से भक्त प्रह्लाद तो बच गया और होलिका जल गई। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि होली प्राकृतिक व कृत्रिम रंगों से खेली जाती है, समय के साथ होली खेलने के स्वरूप में भी बदलाव आए हैं। समय बदला तो होली त्योहार मनाने का ढंग व स्वरूप भी बदल गया। पहले फाल्गुन के महीना शुरू होते ही चंग, बांसुरी, डफ, ढ़ोल, नगाड़ा, स्वांग निकालना, होली पर धमाल गीत, हुड़दंग बाजी, हंसी-ठिठोली होती थी, आज भी होती है लेकिन पहले की तुलना में काफी कम है। आज का युग सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है, इंटरनेट, मल्टीप्लेक्स, एंड्रॉयड मोबाइल फोन, लैपटॉप-कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) या यूं कहें कि सूचना क्रांति, तकनीक और नवाचारों को अपनाने का युग है। ऐसे युग में वर्तमान में हमारी युवा पीढ़ी होली के दिन नशा करने, देर रात्रि तक डीजे पर डांस करने, और फूहड़ तथा पाश्चात्य संस्कृति के गीतों पर एंजॉय करने में ही अपनी वाहवाही समझते है। आज के समय में हमारा देश तेजी से डिजीटलीकरण की ओर अग्रसर हो रहा है। अब होली के दूसरे दिन यानी कि धुलंडी के दिन (रंग खेलने का दिन) भी अपने घरों से बाहर नहीं निकलते हैं। न पहले जैसी हुड़दंग बाजी रही है, न हंसी-ठिठोली और न ही रंग डालने, स्वांग रचने, धमाल गीत गाने जैसी परंपराएं ही अब रहीं हैं। डिजिटल प्रगति के साथ इन सबमें अभूतपूर्व कमी आई है और हमारे तीज-त्योहार भी अब कहीं न कहीं इस अंधी डिजीटलीकरण व्यवस्था में रच-बस से गये हैं। आज सोशल मीडिया जैसे वाटसअप, फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम पर ही अपने यार-दोस्तोंन, रिश्तेदारों और परिजनों को गुलाल-अबीर (रंग) और रंग-बिरंगी पिचकारी भेज कर होली का डिजिटल आनंद लेते हैं। और तो और किसी मैसेज की भांति ही अब तो तीज-त्योहारों के अवसरों पर मिठाई तक भी सोशल नेटवर्किंग साइट्स के जरिए ही भेज दी जाती है। होली पर भी ऐसा ही कुछ हो रहा है, किया जा रहा है। पाठकों को यह जानकर कोई आश्चर्य नहीं होगा कि अब तो धुलंडी का दिन (रंग खेलने का दिन) बीतने के बाद नहाने तक के लिए साबुन, शैंपू और पानी की बाल्टियां, टब तक भी

डिजीटली ही भेजे जाने लगे हैं। यह बात सुनने में अजीब लग सकती है, लेकिन यह एक कटु सत्य है कि आजकल के सोशल मीडिया और इंटरनेट वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बढ़ते चलन के साथ, अब ऑनलाइन होली(डिजिटल होली) मनाना आम बात सी हो गई है। आज के समय में रचनात्मक प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया एडिटिंग ऐप रंगों और खुशियों के त्यौहार होली के मौके पर खास स्टिकर्स, ब्रश तथा रिप्ले जारी करने लगे हैं। पिक्स आर्ट अनेक प्रकार के होली स्टीकर्स जारी कर रहा है। आज तो होली खेलने के अनेक एप्स बिखरे पड़े हैं। कोरोना काल में लोग एक दूसरे से दूरी बनाकर मिलने के लिये मजबूर क्या हुए, होली खेलने के अनेक एप्स बाजार में आ गए। आज लोग इन एप्स और स्टिकर्स के जरिये एक दूसरे को डिजिटल अबीर-गुलाल से सराबोर कर रंगों का त्योहार ऐसे मना सकते हैं, जो शायद पहले कभी नहीं मनाया होगा। आज लोग खास मौकों पर डिजिटल माध्यम के जरिये अपने प्रियजनों को बधाई व शुभकामनाएं देने में अपनेपन का एहसास महसूस करने लगे हैं। पिक्सआर्ट के स्टिकर्स, रिप्लेज, मास्क और ब्रश के जरिये रंगों से बिना कोई जोखिम उठाये होली का त्योहार मना सकते हैं। रंगों के इस त्यौहार पर कोई भी अपने प्रियजनों, रिश्तेदारों को अपनी पसंद के रंगीन स्टिकर्स भेजकर, पिचकारी व डिजिटल मिठाई भेजकर होली की बधाई दे सकते हैं। इसका सीधा सा मतलब यह है कि आज के समय में डिजिटल तकनीकों ने सूदूर निवास करने वाले अपने प्रियजनों, रिश्तेदारों के लिए बिना उनसे शारीरिक रूप से(फिजीकली) मिले ही होली के रंग खेलना, शुभकामनाएं व मिठाई भेजना और हंसी-ठिठोली करना संभव बना दिया है। कहना गलत नहीं होगा कि पिक्सआर्ट के साथ आज के इस डिजिटल समय में हम अपनी कल्पनाशीलता से कोई भी तरह का रंगीन डिजाइन बनाकर खुशी, उमंग व पूरे उत्साह व उल्लास के साथ घर बैठे ही होली मना सकते हैं। सच तो यह है कि आज होली ही नहीं हमारे देश के त्योहारों पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स का आक्रमण हो चुका है। आज होली खेलने के लिए न घर से बाहर कहीं मैदान या गली मोहल्लों में जाने की आवश्यकता रही है और न ही कहीं सूदूर क्षेत्र की यात्रा करने की ही आवश्यकता रही है। आज घर पर बैठे-बैठे ही एंड्रॉयड मोबाइल, लैपटॉप हाथ में लेकर होली खेली जा सकती है। सच तो यह है कि डिजिटल क्रांति के इस युग में त्योहार तो क्या हर रिश्ते को एंड्रॉयड मोबाइल, लैपटॉप पर ही निपटा दिया है। डिजिटल क्रांति के इस युग में न तो अब कपड़े धोने का झंझट रहा है और न ही रंगों से स्किन खराब होने का भय। पहले होली के दिन रंग खेलने के लिए लोग सिर्फ अपनी गली मोहल्ले तक ही सीमित थे। आज इंस्टाग्राम, वाट्सएप एवं फेसबुक(सोशल नेटवर्किंग साइट्स) के इस युग में वे घर पर बैठे-बैठे ही मोहल्ला छोड़िए, पूरी दुनिया संग इको फ्रेंडली के साथ-साथ पाकेट फ्रेंडली होली भी मनाने लगे हैं। न हींग लगे और न ही फिटकरी। डिजिटल होली लोगों को असली होली की तुलना में पसंद आने लगी है, लेकिन ऐसा करके हम हमारी त्योहारी संस्कृति, परंपराओं, हमारे सांस्कृतिक विरासत से कहीं न कहीं दूर होते चले जा रहे हैं। आज होली के रंग डिजीटलीकरण में उड़ रहें हैं, वास्तव में धरातल पर नहीं। या यूं कहें कि ग्राउंड में होली कम खेलने को तवज्जो दी जा रही है। बहरहाल, यहां यह कहना बिलकुल भी गलत नहीं होगा कि हमारे आधुनिक जीवन में प्रवेश करने वाली रचनात्मक तकनीक ने हमारे तीज-त्योहारों को मनाने के हमारे तरीकों को भी आज काफी हद तक बदल दिया है। आज डिजिटल रंगोलियां सजाई जाती हैं। वर्चुअली रंग खेले जा रहे हैं, वास्तविक रंगों को स्थान बहुत कम रह गया है। सच तो यह है कि आज के सूचना क्रांति और तकनीक के इस युग में होली के पर्व पर जितनी डिजीटल पिचकारियां चल रही हैं, धरातल पर उसका प्रतिशत बहुत ही कम रह गया है। संक्षेप में कहें तो आज एआई युग में होली जैसे बड़े व पावन त्योहार पर हर कोई असलियत में रंगों से भरी पिचकारी से खेलें या नहीं खेलें, लेकिन सोशल मीडिया पर पिचकारी भर कर अपनों पर खूब रंग बिखेर रहे हैं। अंत में यही कहूंगा कि अगर हमें अपने त्योहारों की पवित्रता बचानी है तो हमें कम से कम इन्हें बाजार पैसे के मकड़जाल, आधुनिकता से बचाकर रखना होगा। त्योहार हमारे देश की संस्कृति और परंपराओं से जुड़े हुए हैं। समय के साथ बदलाव कुछ हद तक ठीक कहें जा सकते हैं लेकिन ये इतने अधिक न हों कि त्योहारों का कोई औचित्य या अर्थ ही न रह जाए। होली के त्योहार पर एक दूसरे के यहां प्रत्यक्ष जाकर आपसी मेलजोल, सौहार्द, सद्भावना, प्रेम, प्यार और रिश्तों की धुरी पर जो रंग लगाए जाते हैं, वे सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर जाकर कभी भी नहीं लगाए जा सकते हैं। वर्चुअल वर्ल्ड, आखिर वर्चुअल वर्ल्ड ही होता है, वहां भावनाएं नहीं होतीं हैं। कहना गलत नहीं होगा कि त्योहार हमारे सांस्कृतिक, पारंपरिक जीवन को हरा-भरा करते हैं। ये हमारी सनातन भारतीय संस्कृति, परंपराओं का अभिन्न हिस्सा ही नहीं, बल्कि हमारी धार्मिक, सामाजिक और राष्ट्रीय एकता के भी प्रतीक हैं। पर्व किसी भी धर्म या संप्रदाय का क्यों न हो, हम सभी भारतवासी उसे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। एक-दूसरे को बधाइयां और शुभकामनाएं देते हैं। प्रत्यक्ष बधाई व शुभकामनाएं देना, रंग लगाना एक अलग बात है और वर्चुअली रंग लगाना एक अलग बात है, हमें इस बात को समझना चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि घर के बने पकवान और मिष्ठान से जो स्वागत-सत्कार हो सकता है, वह वर्चुअली भेजी गई मिठाई से कभी संभव नहीं हो सकता है। वर्चुअल वर्ल्ड पर बनावटीपन दिखता है, वह वास्तविक वर्ल्ड नहीं है। आज तकनीक का बाजार हमारी संवेदनाओं का अतिक्रमण कर रहा है। आपस में सौहार्द और सद्भावना के साथ मिलकर होली खेलने में जो आनंद है, उस आनंद की अनूभूति वर्चुअल वर्ल्ड में कभी भी संभव नहीं हो सकती है, भले ही तकनीक के क्षेत्र में हम कितनी भी प्रगति और तरक्की क्यों न कर लें। वास्तव में हमें हमारी सनातन संस्कृति, परंपराओं का निर्वहन करते हुए पुनः सात्विक, सादगी भरे त्योहार मनाने की ओर लौटना होगा, तभी हमारी सनातन संस्कृति, संस्कार व त्योहारों को मनाने का सही अर्थ होगा और हम स्वयं को अधिक आनंदित, उल्लास से पूर्ण महसूस कर सकेंगे।

संपादकीय

ठेंगे पर सुप्रीम आदेश

अमृता आर. पंडित

सुप्रीम कोर्ट ने दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने के मामले में हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन न करने के मामले में जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों की खिंचाई की। इसे हठधर्मिता बताते हुए इस निष्क्रियता को प्रथम दृष्टया अवमाननापूर्ण बताया। अधिकारियों ने मई, 2007 के उच्च न्यायालय के सरल आदेश का अनुपालन करने में 16 साल लगा दिए। पीठ ने हाई कोर्ट की खंड़पीठ द्वारा लगाए गए पच्चीस हजार रुपये के जुमार्ने में हस्तक्षेप करने से भी इंकार करते हुए इसे प्रतीकात्मक ठहराया।

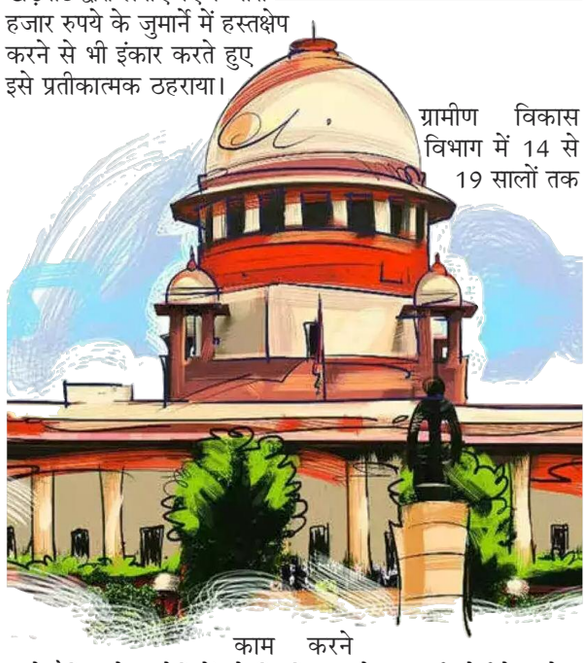

ग्रामीण विकास विभाग में 14 से 19 सालों तक काम करने वाले दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने का हाई कोर्ट ने आदेश दिया था। शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा- हमें केवल दशकों की देरी की चिंता नहीं है, बल्कि यह निर्विवाद तथ्य भी है कि गरीब प्रतिवादी, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी होने के कारण याचिकाकताओं द्वारा बारझ बार परेशान किए गए। अदालत ने जुमार्ने को नजीर बताते हुए अधिकारियों पर भारी जुमार्ना लगाने का आदेश दे कर बड़ी चेतावनी दी। कुछ दिन पहले ही श्रीनगर के लाल चौक पर भी दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया था। तमाम नियमों व कानूनों के बावजूद दैनिक वेतनभोगियों व मजदूरों को भुगतान संबंधी दिक्कतों से न केवल जूझना पड़ता है बल्कि उनकी कोई सुनवाई भी नहीं होती। अदालती कार्रवाई में लगने वाले वक्त और धन के कारण भुक्तभोगी आजिज आ जाते हैं। सरकारी लापरवाही और अधिकारियों का रवैया सालों-साल खराब ही होता जा रहा है। बात सिर्फ जम्मू-कश्मीर की नहीं है। इन्हीं हालात से देश भर के दिहाड़ी श्रमिक व कर्मचारी गुजर रहे हैं। केंद्रीय व राज्य श्रम आयोगों के कामकाज व रवैये को लेकर कर्मचारियों में हमेशा रोष नजर आता है, जो अपना कर्त्तव्य निभाने में असफल साबित हो रहे हैं। उस पर अदालतों के आदेशों को लेकर प्रशासन व अधिकारियों की उपेक्षा सरकार के सान्निध्य में आपसी मिली-भगत से जारी रहती है। अधिकारियों पर सरकार का वरदहस्त न हो तो वे अदालत के आदेश को चुनौती देने का साहस नहीं कर सकते। चुनावी भाषणों में दैनिक मजदूरों-कर्मचारियों, बेरोजगारों और रोजगार की तलाश में ठोकरे खाने वालों के पक्ष में घड़ियाली आंसू बहाने वाले राजनेता देश भर के नागरिकों को मात्र दिवास्वप्न दिखाते रहते हैं। यही कारण है कि जनता का विश्वास अब सिर्फ न्याय व्यवस्था पर ही रह गया है।

भगवंत मान के लिए जी का जंजाल बनता किसान आंदोलन

पंजाब-हरियाणा के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसान एक साल से धरने पर हैं और अब पंजाब के सीएम भगवंत मान की टेंशन बढ़ रही है। हालात अब किसान और पंजाब सरकार के बीच टकराव के स्तर पर पहुंच गई है। आम आदमी पार्टी ने किसान आंदोलन को केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ इस्तेमाल किया मगर अब इन्हीं अन्नदाताओं ने पंजाब सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीएम भगवंत मान का कहना है कि किसानों ने पंजाब को धरने वाला राज्य बना दिया है। पिछले सोमवार को वह किसान नेताओं की मीटिंग को बीच में ही छोड़कर चले आए। अरविंद केजरीवाल भी इन दिनों पंजाब में विपश्यना कर रहे हैं मगर किसानों की मांगों पर चुप हैं। दिल्ली चुनाव में हार के बाद हालात इतनी तेजी से बदले कि किसानों को दिल्ली में धरने के लिए निमंत्रण देने वाली आम आदमी पार्टी की मान सरकार ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री नहीं दी।

पंजाब के किसान एमएसपी की गारंटी समेत अन्य मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की कई मांगें केंद्र के साथ राज्य सरकार से भी है। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसानों का धरना एक साल से जारी है। माना जाता है कि पंजाब सरकार आप ने किसानों को दिल्ली का रास्ता दिखाकर आंदोलन को हवा दी थी। आप को उम्मीद थी कि किसान एक बार फिर दिल्ली पहुंचेंगे और केंद्र सरकार की मुसीबत बढ़ जाएगी मगर हरियाणा सरकार ने दोनों बॉर्डर को बंद कर दिया। जानकारों का कहना है कि अगर हरियाणा में सत्ता बदल जाती तो सियासी खेल आसान हो जाता मगर हरियाणा में भाजपा ने हैट्रिक लगा दी और बॉर्डर बंद ही रहा। किसान अभी भी पंजाब की सीमा के भीतर टेंट लगाकर अभी बैठे हैं। अब यह दांव उल्टा पड़ रहा है। किसान कुछ लिए बिना जाना नहीं चाहते, इसलिए किसान केंद्र से पहले पंजाब में किए गए वादों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं हालांकि किसानों की केंद्रीय मंत्रियों से भी बातचीत जारी है।

3 मार्च को सीएम भगवंत मान के साथ 40 किसान नेताओं की मीटिंग भी हुई थी जिसमें गन लाइसेंस रिन्यू करना, एग्रीकल्चर पॉलिसी समेत प्रीपेड इलेक्ट्रिक मीटर समेत 18 मांगों पर चर्चा होनी थी। ये सारे मुद्दे पंजाब सरकार से जुड़े हैं। मीटिंग में माहौल इतना तल्ख हो गया कि सीएम भगवंत मान बीच में ही मीटिंग छोड़कर निकल गए। सूत्रों के अनुसार, सीएम मान ने तल्ख अंदाज में कहा कि पहले भी जो मांगे माने गई हैं, वह भी अब रद्द हो गई हैं। बातचीत फेल होने के बाद किसानों ने बुधवार को चंडीगढ़ कूच का ऐलान किया और पंजाब सरकार से चंडीगढ़ के सेक्टर 34 में प्रदर्शन करने की मांग की। दिल्ली में धरने की वकालत करने वाली आम आदमी पार्टी ने किसानों को चंडीगढ़ में एंट्री की इजाजत नहीं दी। प्रदर्शन के दौरान कई किसान नेता गिरफ्तार किए गए। इसके बाद पंजाब में किसानों ने सीएम भगवंत मान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसानों ने आरोप लगाया है कि भगवंत मान सरकार भी वैसा ही व्यवहार कर रही है जैसा केंद्र सरकार करती आ रही है।

सर्व विदित है कि फरवरी 2024 में जब किसानों ने दोबारा दिल्ली मार्च शुरू किया तो अरविंद केजरीवाल ने उनका हर संभव समर्थन किया था। जब उनसे पूछा गया कि किसान दिल्ली ही क्यों जाते हैं तो उन्होंने जवाब दिया था कि किसान दिल्ली नहीं तो क्या लाहौर जाएंगे? उन्होंने दिल्ली कूच के मद्देनजर बवाना स्टेडियम को अस्थायी जेल बनाने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव को भी ठुकरा दिया था। इसके बाद केंद्र सरकार ने हरियाणा से दिल्ली तक किलेबंदी की और किसान दिल्ली नहीं आ पाये।

जानकारों का कहना है कि पांच साल पहले जब 2020 में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल सिंघु बॉर्डर पहुंचे थे। तब उन्होंने कहा था कि वह किसानों के बीच मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि सेवादार बनकर आए हैं। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आंदोलन कर रहे किसानों को बिजली, पानी समेत तमाम सुविधाएं दिलाने का वादा किया था और सुविधाएं दी भी थी। राजनीतिक दलों के समर्थन के कारण 2020-21 के बीच किसान 379 दिनों तक दिल्ली में जमे रहे। ट्रैक्टर मार्च निकाला और लाल किले में उपद्रव भी हुए। यह बात अलग है कि इस किसान आन्दोलन से जनता को भारी परेशानियां होने के साथ साथ अरबों रुपयों का नुकसान भी हुआ था। 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को दिल्ली में किसानों की सेवा का फल भी मिला। पार्टी शहरी क्षेत्रों के अलावा ग्रामीण इलाकों में विजयी रही हालांकि इस जीत में मुफ्त बिजली, किसानों को लोन माफी और महिलाओं को 1000 रुपये देने जैसे वादों का भी बड़ा रोल रहा था. बताया जा रहा है कि इन वादों को पूरा करने के लिए पंजाब सरकार आज भी बजट का इंतजाम नहीं कर पाई है। अब भगवंत मान सरकार के लिए चुनावी वादे ही गले की हड्डी बन गए हैं। किसानों की मीटिंग से निकलने के बाद भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार को सिर्फ किसानों का ही नहीं बल्कि सभी 3.5 करोड़ पंजाबियों के हितों का भी ध्यान रखना है। उनका कहना था कि प्रदर्शनों से व्यापारियों, व्यवसायियों, छात्रों, कर्मचारियों एवं आमजन को अत्यधिक परेशानी हो रही है। पंजाब की अर्थव्यवस्था रसातल में जाने के साथ -साथ इसकी पहचान धरने वाले स्टेट की बनकर रह गई है। उनका कहना है कि वे किसानों से बातचीत करने को तैयार है लेकिन उन्हें(किसानों को) अराजकता फैलाने की छूट नहीं दी जा सकती। जानकारों की माने तो दिल्ली में जब अरविंद केजरीवाल की सरकार थी, तब किसान आंदोलन के लिए उन्होंने दिल्ली को केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ मंच की तरह इस्तेमाल किया था। अब दिल्ली में सरकार बदल चुकी है। हरियाणा सरकार ने भी रास्ता बंद कर दिया है. ऐसे में किसानों के पास चंडीगढ़ में ही आंदोलन का नया स्टेज बनाने की मजबूरी है। अगर चंडीगढ़ में एक बार किसानों का धरना शुरू हो गया तो केंद्र के बजाय भगवंत मान सरकार निशाने पर आ जाएगी। वहां आम लोगों के लिए आंदोलन से होने वाली दिक्कतों का बोझ उठाना भी आसान नहीं है। अब किसान आंदोलन को पहले जैसा राजनेताओं का समर्थन हासिल नहीं है. पंजाब में चुनावी साल होने के कारण किसान आंदोलन का लम्बे समय तक चलना मान सरकार के लिए किसी भी स्तर पर हितकर नहीं है। वैसे भी दिल्ली में आम आदमी की सरकार नहीं रहने से समय - समय पर चिल्लाने वाले नेताओं की आवाज अब बंद हो गई है। यही नहीं, केन्द्र सरकार को कोसने के बहाने जो पार्टियां आप नेताओं को प्रोटेक्शन देती थी, उनके सुरों में भी परिवर्तन देखा जा रहा है। ऐसे में जो कुछ करना होगा, भगवंत मान को ही करना होगा।

- रामस्वरूप रावतसरे

शांत और परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र

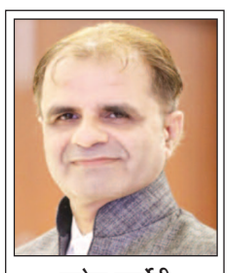

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय संस्कृति, सभ्यता के बारे में हमने साहित्य और इतिहास के माध्यम से और भारत माता की गोद में रहकर पारिवारिक संस्कृति, मान सम्मान, रीति- रिवाजों से इसे प्रत्यक्ष महसूस भी कर रहे हैं। परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों के माध्यम से हमने कई बार सतयुग का नाम सुने हैं,जिसका वर्णन वेस्वर्गलोक के तुल्य करते हैं। याने इतनी सुखशांति, अपराध मुक्ति, इमानदारी, शांति सरोवर तुल्य, कोई चालाकी चतुराई गलतफहमी या कुटिलता या भ्रष्टाचार नहीं, बस एक ऐसा युग कि कोई अगर कुछ दिन, माह के लिए बाहर गांव जाए तो अपने घरों को ताला तक लगाने की जरूरत नहीं !अब कल्पना कीजिए कि अपराध बोध मुक्त युग !मेरा मानना है कि हमारी पूर्व की पीढ़ियों ने ऐसा युग जिए होंगे तब यह बोध आगे की पीढ़ियों में आया,जिसे सतयुग के नाम से जरूर जाना जाता है।

साथियों बात अगर हम वर्तमान युग पर बड़े बुजुर्गों में चर्चा की करें तो इस इसे कलयुग नाम देते हैं, याने सभी प्रकार के अपराध बोध से युक्त संसार। हर तरह की बेईमानी, भ्रष्टाचार कुटिलता से भरा हुआ युग !आज भी बुजुर्गों का मानना है कि वह सतयुग फिर आएगा,याने आज की तकनीकी भाषा में अपराध मुक्त, भ्रष्टाचार बेईमानी कुटिलता मुक्त पारदर्शिता और अनेकता में एकता वाले भारत की परिकल्पना का युग।

साथियों बात अगर हम अपराध, भ्रष्टाचार, बेईमानी, कुटिलता से भरे जग की करें तो मेरा मानना है कि इसका मुख्य प्रवेश द्वार क्रोध, उत्तेजित स्वभाव व लालच है जिसमें आपराधिक बोध प्रवृत्ति का जन्म होता है और व्यक्ति क्रोध में हिंसा, अपराध, लालच, भ्रष्टाचार, बेईमानी और कुटिलता के अमानवीय कृति और अन्य गलत कार्यों की ओर मुड़ जाता है और आगे बढ़ते ही चले जाता है जब जीवन के असली महत्व का पता चलता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। क्रोध की अभिव्यक्ति हमारे अंदर की कुंठा, हिंसा व द्वेष के कारण भी हो सकती है। वर्तमान काल में अपराधों के बढ़ने का एक प्रमुख कारण भीषण क्रोध ही है।क्रोध से उत्पन्न हुएअपराधों के औचित्य को सिद्ध करने के लिए क्रोधी व्यक्ति कुतर्क कर दूसरे को ही दोषी सिद्ध करता है। एक दोष को दूर करने के लिए अनेक कुतर्क पेश करता है। क्रोध में व्यक्ति आपा खो देता है। क्रोध में अंततः बुद्धि निस्तेज हो जाती है और विवेक नष्ट हो जाता है। क्रोध का विकराल रूप जुनून है। आदमी पर जुनून सवार होने पर वह जघन्य से जघन्य अपराध कर बैठता है। जुनून की हालत में उसे मानवीय गुणों का न बोध रह पाता है और न ही ज्ञान। क्रोध मानव का सबसे बड़ा शत्रु है, बहुत बड़ा अभिशाप है।

साथियों बात अगर हम शांत, परोपकारी स्वभाव ही जीवन का मूल मंत्र की करें तोअभिभावकों, शिक्षकों को बच्चों को यह शिक्षा देना है और हम बड़ों को यह स्वतः संज्ञान लेना है कि माचिस की तीली बनने की बजाय शांत सरोवर बनना होगा, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए, बस! यह भाव अगर हम मनीषियों के हृदय में समाहित हो जाए तो यह विश्व फिर सतयुग का रूप धारण करेगा जहां किसी तरह का कोई अपराध बोध या गलत काम का भाव नहीं होगा। सभी मनीषी जीव परोपकारी भाव से युक्त होंगे भाईचारा, प्रेम, सद्भाव की बारिश होगी जहां बिना ताले घरबार छोड़ कहीं भी जाने के भाव जागृत होंगे और हमारे बुजुर्गों का सतयुग रूपी सपना साकार होगा। साथियों बात अगर हम स्वयं को माचिस की तीली याने क्रोधित होने पर विपरीत परिणामों की करें तो, क्रोध मनुष्य को बर्बाद कर देता है और उसे अच्छे बुरे का पता नही चलने देता, जिस कारण मनुष्य का इससे नुक्सान होता है। क्रोध मनुष्य का प्रथम शत्रु होता है। क्रोधी व्यक्ति आवेश में दूसरे का इतना बुरा नहीं जितना स्वयं का करता है। क्रोध व्यक्ति की बुद्धि को समाप्त करके मन को काला बना देता है।

साथियों बात अगर हम क्रोध को नियंत्रित कर समाप्त करने की तकनीकी की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार क्रोध के नकारात्मक प्रभाव पूरे इतिहास में देखे गए हैं। प्राचीन दार्शनिकों, धर्मपरायण व्यक्तियों और आधुनिक मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतीत होने वाले अनियंत्रित क्रोध का मुकाबला करने की सलाह दी गई है। आधुनिक समय में, क्रोध को नियंत्रित करने की अवधारणा को मनोवैज्ञानिकों के शोध के आधार पर क्रोध प्रबंधन कार्यक्रमों में अनुवादित किया गया है। क्रोध प्रबंधन क्रोध की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एक मनो-चिकित्सीय कार्यक्रम है। इसे क्रोध को सफलतापूर्वक तैनात करने के रूप में वर्णित किया गया है। क्रोध अक्सर हताशा का परिणाम होता है,या किसी ऐसी चीज से अवरुद्ध या विफल होने का अनुभव होता है जिसे विषय महत्वपूर्ण लगता है। अपनी भावनाओं को समझना क्रोध से निपटने का तरीका सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है। जिन बच्चों ने अपनी नकारात्मक भावनाओं को क्रोध डायरी में लिखा था, उन्होंने वास्तव में अपनी भावनात्मक समझ में सुधार किया, जिससे बदले में कम आक्रामकता हुई। जब अपनी भावनाओं से निपटने की बात आती है, तो बच्चे ऐसे उदाहरणों के प्रत्यक्ष उदाहरण देखकर सबसे अच्छा सीखने की क्षमता दिखाते हैं, जिनके कारण कुछ निश्चित स्तर पर गुस्सा आया। उनके क्रोधित होने के कारणों को देखकर, वे भविष्य में उन कार्यों से बचने की कोशिश कर सकते हैं या उस भावना के लिए तैयार हो सकते हैं जो वे अनुभव करते हैं यदि वे खुद को कुछ ऐसा करते हुए पाते हैं जिसके परिणामस्वरूप आमतौर पर उन्हें गुस्सा आता है, इसके साथ ही एकांत में जाकर ध्यान के माध्यम से क्रोध के विकारों को नष्ट करने का प्रयास करें तो ऋणात्मक ऊर्जा को मोड़कर हम सकारात्मक ऊर्जा से विवेक सम्मत निर्णय लेने में सक्षम हो सकते हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शांत, परोपकारी स्वभाव सुखी जीवन का मूल मंत्र है !स्वयं को माचिस की तीली बनने की बजाए शांति सरोवर बनाएं, जिसमें कोई अंगारा भी फेंके तो स्वयं ही बुझ जाए।क्रोध,उत्तेजित स्वभाव,अपराधिक बोध प्रवृत्ति का मुख्य प्रवेशद्वार है अपराध मुक्त भारत के लिए मनीषियों को क्रोध त्यागना प्राथमिक उपाय है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दिल्ली में बदलने जा रहा सड़कों का अधिकार क्षेत्र, अब तय होगी PWD के अफसरों की जिम्मेदारी

राजधानी दिल्ली में सड़कों के अधिकार क्षेत्र में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब एक सड़क पर केवल एक ही अधिशासी अभियंता को जिम्मेदारी दी जाएगी। इससे अधिकारियों की जिम्मेदारी बढ़ेगी और सड़कों का रखरखाव बेहतर होगा। साथ ही बड़ी कंपनियां भी सड़क निर्माण में भाग ले सकेंगी।

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में काम करने को लेकर सड़कों का अधिकार क्षेत्र बदलने जा रहा है। सड़कों को लेकर अभी जो व्यवस्था है उसके तहत अभी एक-एक सड़क पर तीन-तीन अधिशासी अभियंता काम करते हैं और एक ही सड़क के तीन तीन बार अलग अलग टेंडर तक किए जाते हैं। जो एक अधिकारी एक ही काम को कर सकता था उसे एक से अधिक बार में किया जाता है,जो काम एक ही बार में हो सकता था उसे तीन तीन बार में किया जाता है। इससे समय की बबार्दी होती है और अधिकारियों की जिम्मेदारी भी अच्छे से तय नहीं हो पाती है। मगर अब एक सड़क पर एक ही अभियंता को जिम्मेदारी दी जाएगी। छोटे-छोटे टेंडर की प्रथा खत्म की जाएगी। विभाग में बड़े टेंडर होंगे और बड़ी कंपनियां भी भाग ले सकेंगी। दिल्ली में प्रमुख सड़कें पीडब्ल्यूडी के पास हैं, जिनकी लंबाई 1259 किलोमीटर के करीब है। सड़कों का रखरखाव विभाग के लिए एक बड़ा मुद्दा है, यह केवल विभाग के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी मुद्दा रहता है। खराब सड़कें होने पर सरकारें घिरती रही हैं और विपक्ष के हमेशा निशाने पर रही हैं। आम आदमी पार्टी के कार्यकाल में देखा जाए तो सड़कों की हालत पिछले पांच सालों में ज्यादा खराब रही। अनेक सड़कें टूट गईं उनकी मरम्मत नहीं हो सकी, नई सड़कें बन तक नहीं पाईं और उन पर पैच वर्क ही होता रहा। कई कई महीने तक लोग गड्ढों जूझते रहे, जाम लगता रहा, लोग परेशान होते रहे और कहीं कोई सुनवाई तक नहीं हुई।

कब तक बेहतर होंगी दिल्ली की सड़कें?

बहरहाल अब दिल्ली में सरकार बदली है तो उम्मीद की जा रही है कि अब सड़कें भी बेहतर होंगी और लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। नई सरकार भी जनता को सड़कों से संबंधित परेशानियों से निजात दिलाने के लिए नए-नए तरीके अपनाने पर विचार कर रही है। इसी में एक विचार यह भी है कि अभी तक दिल्ली में बहुत सी ऐसी सड़कें हैं जिनमें एक-एक ही सड़क पर तीन-तीन एरिया इंचार्ज यानी अधिशासी अभियंता काम करते हैं कुछ स्थानों पर दो-दो मुख्य अभियंताओं के अंतर्गत मार्गों का काम आ रहा है। अगर रिंग रोड की बात करें तो यह मार्ग तीन मुख्य नेताओं के अंतर्गत आता है।

अब किसके ऊपर होगी सड़क की जिम्मेदारी?

दिल्ली की नई सरकार चाहती है की ऐसे मार्गों के अधिकार क्षेत्र की व्यवस्था बदली जाए और एक मार्ग का एक ही मुख्य अभियंता हो या फिर जिन सड़कों के छोटे-छोटे टुकड़ों में अलग-अलग टेंडर होते हैं उसे भी बदल जाए। उसके स्थान पर एक ही अधिशासी अभियंता को पूरी सड़क की जिम्मेदारी दी जाए। इसमें सड़क के निर्माण से लेकर सड़क के रखरखाव सड़कों के सभी तरीके के कार्य की एक ही अधिकारी की जिम्मेदारी होगी। इसमें अधिकारियों की जिम्मेदारी और बढ़ेगी साथ ही बड़ी कंपनियां भी सड़क निर्माण में हिस्सेदारी कर सकेंगी।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की करतूत से हर कोई हैरान, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में उत्तरी जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम ने एक झपटमार को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अंबेडकर नगर निवासी पवन उर्फ केलविन के रूप में हुई है, जो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर है और उसके इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर 16 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। आरोपी को पहले भी झपटमारी के मामले में गिरफ्तार किया गया था।इसके बाद जाल बिछाते हुए आरोपी अंबेडकर नगर इलाके से वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से लूटी गई रकम के 1.10 लाख रुपये बरामद किए। उसकी निशानदेही पर आईटीओ के गंदा नाला के पास से झपटा हुआ बैग भी बरामद कर लिया गया।रुपये से भरा बैग झपटकर भागा था आरोपी स्पेशल स्टाफ के अधिकारी के मुताबिक, शिकायतकर्ता आर श्रीनिवास राव ने आरोप लगाया था कि चार मार्च को तीन लाख रुपये नकद और महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरे उनके बैग को सेंट स्टीफन अस्पताल के बाहर से स्कूटी सवार ने झपट लिया था और फरार हो गया। सिविल लाइन्स थाने में मामला दर्ज किया गया सीसीटीवी फुटेज से हुई स्कूटी की नपुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल स्कूटी की पहचान की। टीम ने स्कूटी ने नंबर की जांच की, जिसमें पता चला कि स्कूटी का इस्तेमाल पहले भी मदनगीर इलाके में झपटमारी की वारदातों के लिए किया गया था।

साइकिल टच होते ही गले पर मारा चाकू, जीतराम को लगाने पड़े 30 टांके; अब सीसीटीवी से खुलेगा पूरा राज

पूर्वी दिल्ली। कृष्णा नगर इलाके में रोडरेज की वारदात सामने आई है। साइकिल छूने पर एक शख्स ने साइकिल सवार युवक के गले पर चाकू से हमला कर दिया। युवक के लहूलुहान होने पर आरोपित मौके से भाग गया। घायल हालत में जीतराम को इलाज के लिए डॉ. हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से उसे जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। युवक के गले पर 30 टांके आए हैं। जीतराम की शिकायत पर कृष्णा नगर थाना ने प्राथमिकी दर्ज की है। जीतराम अपने परिवार के साथ शाहदरा में किराये पर रहते हैं। परिवार में पत्नी व एक बच्चा है। वह पुताई का काम करते हैं। कुछ दिनों पहले उनकी पत्नी झील खुरंजा अपने मायके रहने आई हुई थी। खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़ा युवक मंगलवार शाम को जीतराम साइकिल से अपने ससुराल जा रहे थे। आरोप है कि जब वह झील खुरंजा पहुंचे तो उनकी साइकिल एक शख्स के पैर से छू गई। इससे नाराज होकर शख्स ने गाली गलौज करते हुए जेब से चाकू निकालकर उनके गले पर वार कर दिया। खून से लथपथ होकर युवक सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों ने वारदात की सूचना पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल कर आरोपित की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। वाहन चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार वहीं पर एक दूसरे मामले में उत्तर पूर्वी जिले की एएटीएस टीम ने चार वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी के चार दो पहिया वाहन बरामद किए हैं। आरोपितों की पहचान विजय पार्क निवासी पीयूष, श्रीनिवासपुरी दीपक व सतीश कश्यप, मौजपुर निवासी विकास के रूप में हुई है। सतीश पर लूट, झपटमारी व चोरी के आठ और दीपक पर चार केस पहले से दर्ज हैं। पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ कर पुलिस इनके साथियों का पता लगा रही है। पुलिस ने बताया कि जिले में वाहन चोरी की वारदात को रोकने के लिए एएटीएस के इंचार्ज योगेश वशिष्ट के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल संदीप व मोनू की टीम बनाई। सूचना मिली कि एक वाहन चोर मौजपुर में आने वाला है। पुलिस ने जाल बिछाया, सतीश कश्यप जैसे ही वहां पर पहुंचा पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह पेशेवर अपराधी है। वह अपने तीन साथियों के साथ मिलकर वाहन चोरी करता है। बाद में पुलिस ने उसकी निशानदेही पर मौजपुर व अन्य जगह से तीनों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से चोरी के चार वाहन बरामद किए।

बदरपुर इलाके में महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ की आत्महत्या, वजह आई सामने

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के बदरपुर में एक महिला ने अपनी दो बेटियों के साथ आत्महत्या कर ली। तीनों के शव घर के अंदर मिले। पुलिस को शक है कि उन्होंने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की है। आत्महत्या का कारण आर्थिक तंगी बताया जा रहा है। पुलिस स्टेशन बदरपुर के मोलरबंद इलाके से एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई जिसमें एक घर से दुर्गंध आने की बात कही गई थी और बताया गया था कि घर के अंदर तीन लोग रह रहे हैं और उनके आत्महत्या करने का संदेह है। तुरंत एसीपी और एसएचओ बदरपुर ने कॉल का जवाब दिया और पाया कि मां मोलरबंद, बदरपुर में मकान नंबर 43, गली नंबर 16 की दूसरी मंजिल पर 8-9 साल की छोटी बेटी एस के साथ रह रही थी। तीनों कमरे में मृत पाए गए और उनके मुंह से झाग निकल रहा था। शव सड़ी-गली अवस्था में थे। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि शव करीब 4-5 दिन पुराने हैं और उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ खाया है। यह कदम उठाने का संभावित कारण आर्थिक तंगी लग रहा है, क्योंकि उन्होंने पिछले दो महीनों से किराया नहीं दिया है। क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पॉलीथीन, शॉल, तौलिए से लेकर डायपर तक... विमान के शौचालय में मिल चुकी हैं ये चीजें, एयर इंडिया में चल क्या रहा है?

नई दिल्ली। अमेरिका से भारत आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट का टॉयलेट ब्लॉक हो जाने के कारण विमान को वापस लौटना पड़ा था। प्लेन में कुल 12 टॉयलेट थे, जिनमें से 11 ब्लॉक हो गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, टॉयलेट ब्लॉक होने के कारण फ्लाइट नंबर अका26 को चार घंटे उड़ने के बाद यू-टर्न लेना पड़ा था।एयरलाइन ने बताई हैरान करने वाली बातकंपनी ने यात्रियों के गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार के मुद्दे को भी उजागर करते हुए बताया था कि, हमारी टीमों को शौचालय से पहले भी अन्य कचरे के अलावा कंबल, इनरवियर और डायपर जैसी वस्तुएं मिली थीं, जिन्हें उड़ानों के दौरान शौचालयों में बहा दिया गया था।" फ्लाइट को वापस शिकागो क्यों ले जाना पड़ाजिस वक्त विमान के शौचालय ब्लॉक हुए उस वक्त वो अटलांटिक महासागर के ऊपर उड़ान भर रहा था। हालांकि, यूरोप के कुछ शहरों की तरफ विमन को मोड़ने का विकल्प था, लेकिन रात के समय यूरोपीय हवाई अड्डों पर परिचालन प्रतिबंधों के कारण फ्लाइट को वापस शिकागो ले जाना पड़ा।ये पहला मौके नहीं है, जब एयर इंडिया की फ्लाइन में शौचालय जाम की स्थिति उत्पन्न हुई है। इससे पहले भी ऐसा हुआ था, जिसके बाद एयरलाइन ने बकायदा नोटिस जारी कर लोगों से अपील की थी कि शौचालय में ऐसा कुछ विमानों के रखरखाव करने वाले एक इंजीनियर ने बताया कि, एयर इंडिया के कुछ विमान काफी पुराने हो गए हैं, जिस वजह से शौचालय की पाइपों में दिक्कत आने लगी है। अगर शौचालय में शॉल, बेडशीट और तौलिए फ्लश किए जाएंगे तो ये आसानी से ब्लॉक हो सकते हैं।

एयर इंडिया के पूर्व एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर जितेंद्र भार्गव ने बताया कि, 2007 से लेकर 2010 के बीच एयरलाइन को 23 में से 21 एयरक्राफ्ट मिल चुके थे। बाकी के दो इंडियन एयरफोर्स द्वारा वीवीआईपी लोगों को लाने ले जाने में इस्तेमाल किया जाता है।मामले को लेकर एयर इंडिया की तरफ से सफाई पेश की गई थी। पहले तो एयरलाइन ने इसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर विमान लौटने की जानकारी दी थी। लेकिन जब टॉयलेट ब्लॉक होने पर एयरलाइन की फजीहत होने लगी तो कंपनी ने ऐसी बातें बताई जिसने सभी को हैरान कर दिया।

बढ़ती गर्मी के बीच होली पर होगा गुलाबी ठंड का अहसास, जानिए अगले दो दिन कैसा रहेगा मौसम का हाल

नई दिल्ली। लगातार बढ़ती गर्मी और बढ़ते तापमान के बीच होली पर एक बार फिर हल्की ठंड का एहसास हो सकता है। उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों में भारी और हल्की बारिश का अनुमान है। कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। इसके चलते होली पर भीगना थोड़ा कंपकंपा देने वाला हो सकता है।मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ों पर एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, साथ ही उत्तर-पश्चिमी राजस्थान और उससे सटे पाकिस्तान पर ऊपरी चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र भी बन रहा है। इसके प्रभाव से उत्तर भारत के राज्यों में मौसम बदलेगा।दिल्ली, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी और हल्की बारिश होगी। कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। पंजाब और हरियाणा में भारी बारिश की संभावना है। यहां ओले भी गिर सकते हैं।इससे स्वाभाविक रूप से तापमान में दो से पांच डिग्री की गिरावट आ सकती है। दिल्ली एनसीआर में होली से एक दिन पहले और बाद में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत ने बताया कि मौसम में आए इस बदलाव का असर अगले कई दिनों तक देखने को मिलेगा। आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे तो तापमान में तेजी से हो रही बढ़ोतरी पर भी ब्रेक लग जाएगा।सीजन का सबसे गर्म दिन रहा मंगलवार, दिल्ली में मंगलवार को भी भीषण गर्मी रही। साफ आसमान और तेज धूप के बीच अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.4 डिग्री अधिक है। यह इस सीजन में अब तक का सबसे अधिक तापमान है।न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक है। पीतमपुरा में यह सबसे अधिक 19.6 डिग्री सेल्सियस रहा। मंगलवार को हवा में नमी का स्तर 92 से 29 फीसदी दर्ज किया गया।मौसम विभाग न्यूवार्नुमान जताया है कि बुधवार को सुबह कोहरा छा सकता है। दिन में आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे। दोपहर में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। गुरुवार से शनिवार तक फिर हल्की बारिश का अनुमान है।

दिल्ली क्यों बनी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी? विशेषज्ञों ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली। स्विस कंपनी आईक्यू एयर की रिपोर्ट ने एक बार फिर दिल्ली को विश्व की सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी करार दिया है। यह रिपोर्ट अभी तक किए गए प्रयासों की कलई तो खोलती ही है, यह भी बताती है कि बेहतर पर्यावरण आज भी दिल्ली की बुनियादी जरूरत है। वहीं, तय मानकों के अनुरूप हवा में पीएम 2.5 का स्तर 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर व पीएम 10 का स्तर 40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक नहीं होना चाहिए। एक्यूआई भी 50 से नीचे होना चाहिए। लेकिन दिल्ली में ऐसी हवा अभी भी स्वप्न सरीखी है। साल भर में एक दो दिन ही ऐसी हवा मिल पाती है।विशेषज्ञों का क्या मानना?राष्ट्रीय राजधानी में विविध प्रयासों के बावजूद भी प्रदूषण की समस्या बनी हुई है, इस मुद्दे पर विशेषज्ञों ने अपनी राय रखी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वाहनों की बढ़ती संख्या, उड़ती धूल और धुआं दिल्ली के प्रदूषण की मुख्य जड़ है।आईआईटी कानपुर के प्रो. सच्चिदानंद त्रिपाठी का कहना है कि दिल्ली और एनसीआर का प्रदूषण इंटरलिंक्ड है। लेकिन रोकथाम के उपायों में एकरूपता नहीं है। दिल्ली में थर्मल पावर स्टेशन बंद कर दिए गए, जबकि एनसीआर में अभी भी चल रहे हैं।डीजल को सीएनजी में बदल दिया गयासर्दियों का मौसम आने और गैस चैंबर बनने की स्थिति में ही तमाम कदम उठाए जाते हैं। मार्च में हालात बदलने पर ग्रेप तक हट जाता है। सब निश्चिंत हो जाते हैं। यह सोचा ही नहीं जाता कि अगली सर्दियों को बेहतर बनाने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं। चाहे धूल हो या धुआं, खुले में कचरा जलाना हो या पराली, प्रतिबंधित ईंधन का प्रयोग हो या अन्य कारक, पूरे साल इन पर काम किया ही नहीं जाता। लंदन, बीजिंग और लास-एंजेलेस के जैसे ही आज दिल्ली और आस-पास के इलाके के लिए भी पर्याप्त प्रदूषण के आंकड़े, उनको स्त्रोत, उत्सर्जन एवं उसको कम करने की लिए प्रयोग में लाई जाने वाली प्रौद्योगिकी सब मौजूद है।राजधानी में सार्वजनिक परिवहन में डीजल को सीएनजी में बदल दिया गया है, जबकि एनसीआर में शामिल उत्तर प्रदेश, हरियाणा व राजस्थान के जिलों में आज भी डीजल के वाहन धड़ल्ले से चल रहे हैं। इसी तरह दिल्ली में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की व्यवस्था होने से डीजी सेट चलाने की नौबत ही नहीं आती जबकि एनसीआर में लगभग तमाम जगहों पर बिना डीजी सेट रोजमर्रा के कामकाज भी बाधित हो जाते हैं। यहां तक कि अरावली, जो एनसीआर का बफर जोन कहा जाता है, वह भी अतिक्रमण की चपेट में है।एनवायरो कैटलिट्स के संस्थापक एवं मुख्य विश्लेषक सुनील दहिया का कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी में पर्यावरण का मुददा सियासी आरोप-प्रत्यारोप का हाट केक तो बन गया है, लेकिन इसके समाधान की दिशा में जनप्रतिनिधि भी गंभीर नहीं हैं।

दिल्ली में कूड़े के पहाड़ों पर चल रहा करोड़ों रुपये का काला धंधा, सामने आया चौंकाने वाला सच

नई दिल्ली। कोयले के खदानों में जिस तरह से कोयला चोरी होते और इसकी कालाबाजारी को फिल्मों में दिखाया गया है। ठीक उसी तरह की कहानी कूड़े के पहाड़ों पर चल रही है। यहां कई तरह के काले धंधे फल-फूल रहे हैं। इनमें एक डीजल चोरी है। अभी तक यह डराने-धमकाने तक सीमित रहता था। अब यह रक्तरंजित हो चला है।गाजीपुर इलाके में रविवार की रात रोहित नामक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्या को भी डीजल चोरी करने वाले गिरोह के बीच आपसी रंजिश से जोड़कर देखा जा रहा है। रंजिश इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इसमें अब मोटा पैसा आने लगा है। खासकर गाजीपुर और भलस्वा लैंडफिल साइट पर डीजल चोरी कराने के लिए कई गिरोह सक्रिय हैं।सूत्रों के मुताबिक, एक लैंडफिल साइट से प्रतिमाह एक से डेढ़ करोड़ रुपये का डीजल चोरी का धंधा हो रहा है। इसके अलावा इन लैंडफिल साइट पर कूड़ा बीनने वालों से उगाही करने वाले गिरोह भी सक्रिय हैं। यहां एक साल से बंद हो चुका यह धंधा जानकारी के मुताबिक, पहले ये धंधा गाजीपुर, भलस्वा के साथ ओखला लैंडफिल साइट पर चल रहा था। ओखला लैंडफिल साइट पर चूंकि कूड़ा सीधे बिजली बनाने के संयंत्र में जाने लगा है, इसलिए एक साल से यहां यह धंधा बंद हो चुका है, लेकिन गाजीपुर और भलस्वा लैंडफिल साइट पर यह जारी है।

डीजल चोरी की घटनाओं पर लगाम नहीं लग पाई दैनिक जागरण के पास पिछले साल 29 मई को नगर निगम और दिल्ली पुलिस के उपायुक्त को भेजी गई एक शिकायत की कापी मौजूद है। इसमें भी इस खेल का जिक्र है। शाहदरा उत्तरी और दक्षिणी जोन से कूड़ा उठाने वाली एजेंसी मेट्रो वेस्ट की शिकायत में कहा गया है कि गाजीपुर लैंडफिल साइट पर डीजल चोरी की घटनाओं पर लगाम नहीं लगा पा रही है। इससे हादसे भी हो रहे हैं।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि चोरी करने के बाद डीजल को लैंडफिल साइट पर ही स्टोर किया जाता है। इसकी वजह से लैंडफिल साइट पर आग भी लगती है। इस संबंध में कई शिकायतें दी जा चुकी हैं। नगर निगम ने ट्रकों से डीजल चोरी होने की घटनाओं पर चुप्पी साध ली है। हालांकि उसके प्रेस व सूचना विभाग का कहना है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।ऐसे होता है खेल इस खेल में ट्रक चालकों के साथ गाजीपुर लैंडफिल साइट पर कार्यरत नगर निगम के कर्मचारी शामिल हैं, जो ट्रक के प्रवेश करने के बाद माल उतरने के दौरान डीजल निकाल लेते हैं, क्योंकि सीसीटीवी कैमरे सिर्फ प्रवेश द्वार पर हैं। हर ट्रक से 15 से 25 लीटर डीजल निकाला जाता है। डीजल को कुछ समय तक लैंडफिल साइट पर ही स्टोर किया जाता है। यमुना में क्रूज चलाने का रास्ता साफ, दिल्ली के सोनिया विहार से जगतपुर तक मिलेगी सेवाइसके बाद इसे 40 से 50 रुपये प्रति दर के हिसाब से बाहर मौजूद गिरोह को दे देते हैं। ये गिरोह 70 से 75 रुपये प्रति लीटर ट्रांसपोर्टरों को बेच देते हैं। गाजीपुर लैंडफिल साइट पर ट्रकों के 300 से 500 तक ट्रिप लगते हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को एम्स से मिली छुट्टी, डॉक्टर ने क्यों दी ये सलाह?

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को एम्स से छुट्टी मिल गई है। एम्स ने आधिकारिक बयान में कहा है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हृदय संबंधी बीमारियों के कारण नौ मार्च को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली में भर्ती कराया गया था। बताया गया कि एम्स में चिकित्सा दल द्वारा आवश्यक देखभाल प्राप्त करने के बाद, उनकी स्थिति में संतोषजनक सुधार हुआ और बुधवार को उन्हें छुट्टी दे दी गई। उन्हें अगले कुछ दिनों तक पर्याप्त आराम करने की सलाह दी गई है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को बीती शनिवार की रात सीने में दर्द की शिकायत होने पर एम्स में भर्ती कराया गया, जहां हार्ट अटैक की पुष्टि होने पर उनकी एंजियोप्लास्टी की गई। 73 वर्षीय धनखड़ को स्टेंट डाला गया है। अब उनकी हालत स्थिर है। उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। वहीं, रविवार दोपहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एम्स में जाकर उनका हालचाल जाना। उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा भी उनके स्वास्थ्य का हाल जानने एम्स पहुंचे थे। एम्स के सूत्रों ने बताया कि उपराष्ट्रपति को सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई थी। उन्हें देर रात करीब दो बजे अस्पताल लाया गया। उन्हें एम्स के कार्डियोलाजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में भर्ती कराया गया। इसके बाद उनके हृदय की जांच की गई, जिसमें हार्ट अटैक पुष्टि हुई। डाक्टरों का कहना है कि देर न करते हुए फौरन उनकी एंजियोप्लास्टी करने का निर्णय लिया गया। उन्हें स्टेंट डाला गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स के जरिये जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'एम्स जाकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।'

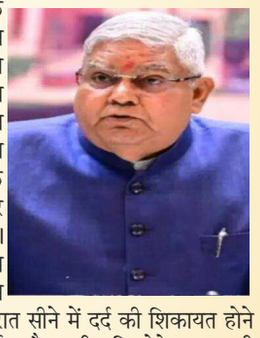

म्यांमार से छूटकर लखनऊ आए युवाओं की आपबीती

लखनऊ। म्यांमार में डिजिटल अरेस्ट गैंग के चंगुल से छुड़ाकर लाए गए 21 युवक मंगलवार की रात लखनऊ पहुंचे। यहां LIU टीम ने पुलिस लाइन में उनसे 5 घंटे पूछताछ की। फॉर्म पर उनकी जानकारी, म्यांमार में रहने वाले परिचित भारतीयों की डिटेल भरवाई। 24 सवालों के जवाब भी लिखवाए। युवक बस से उतरने के बाद चेहरा छिपाते दिखे। कैमरे पर कोई बात नहीं की, लेकिन ऑफ कैमरा जो बताया, वो काफी हैरान करने वाला है।एक युवक ने नाम ना बताने की शर्त पर बताया कि मुझे 6 महीने तक डिजिटल अरेस्ट गैंग ने गैराज में बंद करके रखा। वहां 18-18 घंटे काम करवाया। जानवरों से बदतर स्थिति हो गई थी। वहां बाथरूम तक नहीं था। दिन में एक बार खाना मिलता था। हर महीने डेढ़ लाख रुपए की सैलरी पर रखा था। बाद में पैसे देने बंद कर दिए थे।लखनऊ के मो. अनस ने बताया कि सोशल मीडिया पर जॉब पोस्ट देखी थी। सारे डॉक्यूमेंट जमा करने के बाद इंटरव्यू हुआ। अच्छी सैलरी, बेहतर सुविधाओं की बात कहकर टूरिस्ट वीजा पर म्यांमार बुलाया गया। वहां पहुंचते ही गैंग के

लोगों ने सबसे पहले मेरा पासपोर्ट जब्त कर लिया। फोन रखवा लिया। फिर कहा- जैसे बोला जाए वैसे काम करना है। यहां सब कुछ आपको बताया जाएगा कि क्या करना है। मुझे म्यांमार के म्यावाडी में एक फ्लैट में बंधक बनाया गया। जहां कोई आ जा नहीं सकता था।म्यांमार में डिजिटल अरेस्ट गैंग के चंगुल से छूटकर आए अमन सिंह कहते थे। 18-18 घंटे काम कराया जाता। एकदम जानवरों से बदतर जिंदगी हो गई थी। न खाने की सुविधा, न नहाने की सुविधा। बाथरूम-टॉयलेट तक नहीं था। काम के समय झपकी आने पर सुरक्षा कर्मी बाल नोचते थे। काम के दौरान सिक्योरिटी गार्ड हर पल नजर रखते थे। सीसीटीवी से निगरानी होती थी। घर जाने के लिए पूछने पर करंट लगाते थे। घर वालों से दिन में एक बार बात करने देते थे। फोन भी जब्त कर लिया था, सोशल मीडिया बंद करवा दिया था। किसी से कोई संपर्क नहीं करने देते थे। चीनी और पाकिस्तानी युवा भी वहां काम करते हैं लखनऊ के सुल्तान सलाउद्दीन कहते हैं मैं जहां कैद था। वहां पर चीन, पाकिस्तान समेत कई अन्य देशों के भी युवा भी काम करते हैं। वह पाकिस्तानी और चीनी लोगों से फोन पर बातचीत भी करते थे। मुझे तो एक लाख से डेढ़ लाख रुपए तक वेतन देने का लालच देकर बुलाया गया था। लेकिन जब पहुंचा तो एक रुपए नहीं दिया, सिर्फ काम करवाया। बाद में सिर्फ खाना देते थे।

स्मृतिशेष स्क्वाड्रन लीडर सरदार दलीप सिंह मजीठिया जी की प्रथम पुण्यतिथि 16 मार्च को

संवाददाता
कुशीनगर।
बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर को संचालित करने वाली बुद्ध शिक्षा समिति के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे स्मृतिशेष स्क्वाड्रन लीडर सरदार दलीप सिंह मजीठिया जी की प्रथम पुण्यतिथि 16 मार्च 2025 को सरदार नगर स्थित गुरुद्वारे में मनाई जाएगी। भारतीय वायुसेना में स्क्वाड्रन लीडर रहे सरदार दलीप सिंह मजीठिया 104 वर्ष की उम्र में पिछले वर्ष दिवंगत हुए थे। महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष और सचिव सहित सम्मानित सदस्य, प्राचार्य, शिक्षक

और कर्मचारी उक्त दिवस पर उनकी आत्मा की शांति के लिए आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में श्रद्धांजलि देंगे। उक्त जानकारी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो विनोद मोहन मिश्र ने दी।

पत्नी की फावड़े से गला काटकर हत्या

[illegible] ालगंज थाना क्षेत्र के [illegible] पट्टी गांव में बुधवार सुबह सनसनीखेज वारदात सामने आई। पति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से बेरहमी से हत्या कर दी और फरार हो गया। वारदात के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।चाय पीने के बाद कुल्हाड़ी से काट डाला जानकारी के मुताबिक, गांव के सीताराम के बड़े बेटे जितेंद्र की शादी आठ साल पहले कलवारी थाना क्षेत्र के नौली गांव निवासी मुरली की बेटी माया देवी से हुई थी। दोनों के दो बेटे, 6 साल का राजकुमार और 4 साल का ऋषभ हैं। बुधवार सुबह घर में

सबकुछ सामान्य था। माया ने खुद चाय बनाई, जितेंद्र और बच्चों ने भी चाय पी। इसके बाद अचानक जितेंद्र ने धारदार हथियार से माया पर हमला कर दिया और उसकी गर्दन काट दी।मृतका की सास ज्ञानमती का कहना है कि जितेंद्र मेहनत-मजदूरी कर परिवार चलाता था, लेकिन पिछले एक साल से उसका मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। वह अक्सर अजीब हरकतें करता था।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना:97 जोड़ों ने एक साथ लिए सात फेरे,

बस्ती। में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 97 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। सदर ब्लॉक स्थित एक निजी मैरिज हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ों ने भाग लिया। नगर पालिका क्षेत्र के 6 जोड़े, साल्टौवा ब्लॉक के 14 जोड़े और रामनगर ब्लॉक के 2 जोड़े शामिल हुए। गौर ब्लॉक और नगर से एक-एक जोड़े ने भाग लिया। गणेशपुर नगर पंचायत से 3 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ।जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। यह कार्यक्रम सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जो गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता करती है।

टीबी मुक्त भारत का संकल्प लें युवा:डॉ एस एन त्रिपाठी

संवाददाता
कसया, कुशीनगर।
राष्ट्रीय सेवा योजना बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर द्वारा आयोजित विशेष शिविर के छठवें दिन बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि जिला क्षय राग अधिकारी कुशीनगर डॉ एस एन त्रिपाठी ने बताया कि पहले लोग टीवी रोगियों को उपेक्षा की दृष्टि से देखते थे लेकिन शिक्षा और जागरूकता के प्रभाव से अब परिस्थितियां बदली है। टीवी एक संक्रामक बीमारी है किंतु लाइलाज नहीं है। इसका इलाज नियमित रूप से निर्धारित दवाएं और पोषक तत्व लेने से संभव है। सरकार अभियान चलाकर टीवी रोगियों की निःशुल्क जांच और दवा वितरण का कार्य कर रही है। समाज के सक्षम और प्रबुद्ध नागरिकों से टीवी रोगियों को गोंद लेकर उनके लिए पोषक

आहार की व्यवस्था की जा रही है। मेरा आप सभी से आग्रह है कि प्रत्येक स्वयंसेवक आज यह संकल्प ले कि अपनी बस्ती और गांव को टीवी मुक्त बनाएंगे।इस तरह से सभी के संकल्प और सहयोग से देश टीवी मुक्त होगा। बिरला धर्मशाला के प्रबंधक और मुख्य वक्ता वीरेंद्र तिवारी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि जब जब देश पर संकट आता है तब उसके निराकरण हेतु एन एस एस स्वयंसेवक राष्ट्र के साथ खड़े होते हैं।राष्ट्र की सेवा हेतु ही राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे संगठन का निर्माण हुआ। यह स्वयंसेवक ही देश को टीवी मुक्त बनाने का माध्यम बनेंगे। आपने बताया कि इस देश में सेवा का उदाहरण प्राचीन काल से ही भरा पड़ा है। यहां सर्वस्व दान कर देने की परंपरा रही है। दधीचि, दानवीर कर्ण,राजा हरिश्चंद,हर्षवर्धन आदि के नाम प्रमुख हैं। विशिष्ट अतिथि और क्षयरोग चिकित्सक डॉ आशुतोष मिश्र ने बताया कि 24 मार्च को टीवी के इलाज हेतु दवा की खोज हुई थी अतः इस दिन क्षयरोग मुक्ति दिवस मनाया जाता है।आपने स्वयंसेवकों से आग्रह किया कि आप लोग टीवी रोगी को आपको स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचने में मदद करे। टीवी को अगर हराना है तो स्वयंसेवक को आगे आना होगा। आपके सहयोग से ही 2025 तक टीवी मुक्त भारत का सपना साकार होगा। इससे पूर्व अतिथियों का परिचय और स्वागत डॉ निगम मौर्य ने किया जबकि आभार ज्ञापन डॉ पारस नाथ ने किया।इस अवसर स्वयंसेवक अंकित कुशवाहा ने अपने हाथ से बनाया हुआ स्मृति चिन्ह अतिथियों को भेंट किया। इस अवसर पर फूलचंद, संजय, वासुगोंड, गार्गी भट्टाचार्य समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कवि सम्मेलनः होली से बनती है भाई चारा- राजेश पाण्डेय

संवाददाता
कसया, कुशीनगर।
कसया तहसील क्षेत्र के गांव भठही राजा के पंचायत भवन परिसर में मंगलवार की रात में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन और रंग बरसे होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राजेश पाण्डेय व पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी व व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने दीप प्रज्वलन कर समारोह की शुरूआत की। अश्वनी कुमार द्विवेदी ने सरस्वती बंदना प्रस्तुत किया। कवि बादशाह प्रेमी ने कहा कि जहिया लुके गांव की बहरी बड़का बांस गडाइल बा वान्हि वान्हि पुआर पुतला पुतली खुब गडाईल बा। ज्ञानेश्वर गुंजन ने कहा कि खा गइले बचल खुचल पानी बलम परधानी लड़ाके। दिनेश तिवारी

भोजपुरिया ने कहा कि राम खले होली सीता संग राममंदिर पर बजे बधाई। नन्द जी नन्दा ने कहा कि अगर बेटी ना हो घर में तो घर घर से न लगेला। अवध किशोर अवधू, कावित्री सत्यम बदा शर्मा, मुन्ना मवाली, मजीमुललहा राही, धीरज राव की कविताओ को श्रोताओं ने खुब सराहा। राजेश पाण्डेय ने कहा कि होली सामाजिक बंधनों को मजबूत करने का पर्व है जो प्रेम और सौहार्द का संदेश देता है। इस अवसर पर लोगों ने एक - दूसरे को गुलाल लगाकर गिले- शिकवे भुलाने का संकल्प लिया।पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने होली को अपने ढंग से मनाने का का संकल्प दिलाते हुए आपस में भाई चारा रखने का अपील किया। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि सुधीर राव ने कहा कि होली का पर्व हम सभी एक दूसरे को मुंह मीठा कराते हुए रंग अबीर गुलाल लगा कर शुभकामनाएं देते हैं। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल ने कहा कि होली हम सभी के लिए बड़ा उत्सव है इसे आपस में मीलजुल कर मनाए। अध्यक्षता चंदेश्वर शर्मा परवाना व संचालन धीरज राव ने किया आयोजन समिति के अध्यक्ष ग्राम प्रधान सुभाष कानदू अतिथियों का स्वागत व आभार प्रकट किय। इस अवसर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमरजीत यादव, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सतवंत यादव, भाजपा नेता पवन दूबे, पुष्कर दूबे, प्रियेश पाठक, अभिषेक पांडेय, डिम्पल पांडेय, मनोज मिश्रा, साहिल अहमद, कौशल जयसवाल, शिक्षक कृष्ण मोहन गोंड, पेशकार गोंड, स्वामी नाथ चौधरी, आशुतोष कुमार, राजेश कुमार शुक्ला मौजूद रहे

गन्ने के वैज्ञानिक खेती पर विशेष प्रशिक्षण अभियान- करन सिंह

◆पेड़ी प्रबंधन, गन्ना कृषि यंत्रों के प्रयोग से लाभ, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, सहफसल, कीट नियंत्रण आदि विषयों पर दी जा रही है जानकारी

◆अनुदान पर कीटनाशक, गन्ना कृषि यंत्र, बीज गन्ना उपचार के रसायन दिया जा रहा है।

संवाददाता
कुशीनगर।
अवध सुगर मिल ढाढ़ा, हाटा परिक्षेत्र में बसंत कालीन गन्ना बुवाई, पेड़ी गन्ने का वैज्ञानिक प्रबंध, गन्ना कृषि यंत्रो का प्रयोग एवं उसका लाभ, संतुलित उर्वरको का प्रयोग, कीट नियंत्रण, सिंगल वड से तैयार पौध की रोपाई आदि विषयों पर जानकारी देने के लिए चीनी मिल द्वारा विशेष प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। प्रथम चरण में इन ग्रामों में चलाया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिन गांवों में गन्ना क्षेत्रफल कम है। अधिशासी अध्यक्ष श्री करन सिंह ने बताया -चयनित गांव भगवानपुर, जगदीशपुर, धरमपुर, खजरौनी,मुण्डेरा, अकटहिया, पिपरैचा, गोपालपुर सेमरहा, लेहनी, सुबोधिया खुर्द, रामपुर मिश्री, विशम्भरपुर भैंसंहा,

परसौनी, अनरुधवा आदि। होली बाद भी चलाया जायेगा विशेष प्रशिक्षण अभियान। इन गांवों का चयन श्री अवधेश चन्द गुप्ता उपाध्यक्ष गन्ना द्वारा किया गया है।अधिशाषी अध्यक्ष ने चीनी मिल के गन्ना विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में, चीनी मिल द्वारा गन्ना विकास के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी विस्तार पूर्वक बताया जाए, जिन कृषको के पास बीज गन्ना नहीं है, गन्ना बोना चाहते हैं, उनको ऋण पर बिना ब्याज का बीज गन्ना उपलब्ध कराया जाए। माग नोट किया जा रहा है। उ०प्र० गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केन्द्र पिपराईच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि यहां के किसान पेड़ी गन्ना फसल का उचित देखभाल समय से नहीं करते हैं। जिसके कारण औसत उपज कम मिल रही है। इस समय सभी किसान अपने पेड़ी गन्ना फसल की गुड़ाई करें, जिससे खरपतवार सूख जाए, सिचाई करें, प्रति एकड़ 50 किग्रा. एन. पी. के, 50 किग्रा यूरिया, 15 किग्रा. म्यूरेट आफ पोटाश जड़ों के निकट प्रयोग करें, खाली स्थानों पर एक आँख का तैयार पौधा रोपाई करें। गन्ने में मूंग, उर्द, लोबिया, भिण्डी बोये, आप बढ़ेगी, हरी खाद मिलेगी। खरपतवार नियंत्रित होगा। ग्राम अकटहिया, मुण्डेरा, गोपालपुर में आयोजित गोष्ठी में उपप्रबंधक गन्ना डी. डी. सिंह ने कृषको को बताया कि बसंतकालीन गन्ना बुवाई के लिए बीज गन्ना की कमी नहीं है। दस लाख पौधा भी तैयार है गन्ना प्रबंधक रामदेव शर्मा ने बीज गन्ना मांग को नोट किया।

संत चंपा मेमोरियल स्कूल जौरा बाजार में विज्ञान प्रदर्शनी का शानदार आयोजन

संवाददाता
कुशीनगर।
फाजिलनगर के जौरा बाजार स्थित संत चंपा मेमोरियल स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विज्ञान के विभिन्न प्रयोगों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में बच्चों ने नए-नए उपकरणों का उपयोग करते हुए उनके कार्य और उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों का प्रदर्शन किया। 6वीं कक्षा की पार्वती गौड़ ने माइक्रोस्कोप बनाकर और उसके कार्यप्रणाली की पूरी जानकारी देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 7वीं कक्षा के आदर्श तिवारी ने हाइड्रोलिक ब्रिज का मॉडल प्रस्तुत कर, उसके उपयोग और सावधानियों के बारे में समझाते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। 8वीं कक्षा के ऋतुराज मिश्र ने इलेक्ट्रॉनिक स्टेट कैपिटल का शानदार मॉडल बनाकर तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी, मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेने वाले अन्य सभी बच्चों को भी सांत्वना पुरस्कार और मेडल प्रदान किए गए, ताकि वे भविष्य में भी विज्ञान के क्षेत्र में रुचि और उत्साह बनाए रखें। इस कार्यक्रम में शिक्षक श्रीकांत मिश्र, प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह कुशवाहा और शिक्षक अंशुमान चतुर्वेदी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने और अपने नवाचारों को और निखारने के लिए प्रेरित किया। इंटर कॉलेज जौरा बाजार के शिक्षक

अंशुमान चतुर्वेदी ने विज्ञान के गुण-दोषों पर प्रकाश डालते हुए उसके फायदे और नुकसान के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सुग्रीव मिश्र, ग्राम प्रधान धनहां बबलू राय, एम.डी. मिश्र, बद्री नाथ उपाध्याय, कन्हैयालाल श्रीवास्तव,कुलदीप उपाध्याय, अरविंद मिश्र, विनय बर्नवाल, दिलीप यादव, देशमुख राव, उमेश मिश्र सहित विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हिमांशु शेखर ने किया।जबकि विद्यालय के प्रबंधक गोविंद लाल श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस विज्ञान प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने वैज्ञानिक सोच को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। अतिथियों और शिक्षकों ने बच्चों की इस प्रतिभा की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

संक्षिप्त डायरी

कुकर फटने से लगी भीषण आग:छप्पर में रखा गृहस्थी का सामान जला

बस्ती। के मुंडेरवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत गरवाह में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक रिहायशी छप्पर में चूल्हे पर खाना बनाते समय कुकर फट गया। इस दौरान चूल्हे की आग छप्पर तक पहुंच गई, जिससे भीषण आग लग गई। आग की इस घटना में एक गाय की मौत हो गई। साथ ही एक भैंस भी आग की चपेट में आकर झुलस गई। छप्पर में रखा हुआ सारा सामान जलकर राख हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद लोगों ने आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक काफी नुकसान हो चुका था। घटना की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है।

में बहुभोज कार्यक्रम में हवाई फायरिंग

बस्ती। में एक बहुभोज कार्यक्रम के दौरान युवक द्वारा की गई हवाई फायरिंग का मामला सामने आया है। घटना छावनी के बबुराहा ओवर ब्रिज के पास स्थित एक गांव की है। कार्यक्रम में आयोजित आर्केस्ट्रा में एक युवक डांसर के साथ नाचते हुए नजर आया। इस दौरान उसने अवैध असलहा निकाला और हवाई फायरिंग कर दी।इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सोशल मीडिया पर शेयर किए जा रहे वीडियो में युवक को असलहा लहराते हुए भी देखा जा सकता है। यह घटना 9 मार्च की बताई जा रही है। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गर्ल्स हॉस्टल के वॉशरूम में बेझिझक जाता था आरोपी

लखनऊ। घटना वाले दिन उसने गर्ल्स हॉस्टल के ग्राउंड फ्लोर वाले ऑफिस में बुलाया। लेकिन बार-बार छूने की कोशिश कर रहा था। जब कोई आ जाता या वहां से निकलता तो हट जाता। इस दौरान फाइन की बातों में उलझाए रखा।कुछ देर में उसने चाय ऑफर की। मना करने के बावजूद मेड से चाय मंगवाई। जब उससे कहा कि फाइन लेकर केतली वापस करो तो पुरानी एप्लिकेशन थमा दी। बोला- इसमें नाम बदलकर अपना नाम कर लो। इस दौरान वह बेहद नजदीक आ रहा था। बाल छुए तो थोड़ा हटी। हटते ही उसने जबरन किस कर लिया।हॉस्टल स्टूडेंट्स के मुताबिक, मैट्रन का बिहेवियर भी उनके प्रति अच्छा नहीं रहा। जब इस मामले की मैट्रन से शिकायत की गई तो उन्होंने कहा- सालों से वह यहां पर तैनात हैं। इस दौरान कई खूबसूरत लड़कियां हॉस्टल में रहीं। किसी ने आज तक कोई शिकायत नहीं की। ऐसे में आज कैसे ये घटना हो सकती है?हॉस्टल स्टूडेंट्स के मुताबिक, आरोपी का व्यवहार कई बार आपत्तिजनक रहता था। हर कोई उसे इग्नोर कर देता। वह बिना रोकटोक या झिझक के गर्ल्स हॉस्टल का ही वॉशरूम यूज करता था। इस घटना के सामने आने के बाद हुए प्रदर्शन में कुछ लड़कियों ने उस पर गलत निगाह से देखने और फब्तियां कसने की बात भी कही।हंगामे के बाद मैट्रन और आरोपी स्टाफ सस्पेंड स्टूडेंट्स के हंगामे के बाद शनिवार को इइअव में पीजी स्टूडेंट के साथ बैड टच मामले में प्रोक्टोरिल बोर्ड की डीन स्टूडेंट वेलफेयर के साथ इमरजेंसी मीटिंग हुई। बैठक में मामले की जांच इंटरनल कंप्लेंट कमेटी से कराने की सहमति बनी। जांच पूरी होने तक के लिए संघमित्रा हॉस्टल स्टाफ विनय कुमार और मैट्रन रेनू सिंह को सस्पेंड कर दिया गया।

नगर निगम में वार्ड विकास निधि बढ़ेगी

लखनऊ। नगर निगम में वार्ड विकास निधि नहीं बढ़ने से अन्य पार्षदों सहित भाजपा पार्षद भी नाराज हैं। इस वजह से लगभग सभी पार्षदों ने बजट कार्यकारिणी का बहिष्कार कर दिया। इसके बाद मेयर ने मंगलवार शाम सर्वदलीय बैठक बुलाई। इसमें उन्होंने वार्ड विकास निधि (पार्षद कोटा) बढ़ाने के लिए नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह को निर्देशित किया।पार्षदों की इस नाराजगी की जानकारी भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने देश के रक्षा मंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह को दी। वहां से पार्षदों को पार्टी के साथ रहने का निर्देश मिल गया। अब मेयर के होली मिलन समारोह का बहिष्कार किया जाय या नहीं इसे लेकर पार्षदों में असमंजस की स्थिति बन गई।महानगर अध्यक्ष बोले- सब अपने हैं, मना लेंगे देश के रक्षा मंत्री से मिलकर लौटे भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने रक्षा मंत्री से मुलाकात पर कहा कि वह एक शिष्टाचार मुलाकात थी। पार्षद और मेयर के बीच में मुद्दों को लेकर चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि इसे संगठन स्तर पर ही सुलझा लिया जाएगा, यह इतना बड़ा मुद्दा नहीं है कि इसमें रक्षा मंत्री को हस्तक्षेप करना पड़े।मेयर और पार्षद दोनों भाजपा के हैं। हम सभी से बैठकर बात करेंगे। जो समस्याएं आ रही हैं, उनका समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि होली मिलन समारोह में भी भाजपा के पार्षद शामिल होंगे। नाराज पार्षदों की समस्या का संज्ञान पार्टी ने लिया है।भाजपा के हस्तक्षेप के बाद पार्षद 18 मार्च को प्रस्तावित बजट कार्यकारिणी में जाने को तैयार हो गए हैं। इस बीच बैठक में पार्षद निधि बढ़ाने का आश्वासन पार्षदों को मिला है। वहीं, मंगलवार को नाराज पार्षदों में मेयर के होली मिलन समारोह से दूरी बनाने की तैयारी में नजर आए। हालांकि महानगर अध्यक्ष के हस्तक्षेप और पार्षद निधि बढ़ाने के प्रस्ताव के बाद कई पार्षदों की नाराजगी दूर होती दिखाई दे रही है।

इसके साथ ही महापौर भी होली मिलन समारोह में पार्षदों को बुलाने के लिए जोर लगा रही हैं। सपा के पार्षद और सदन में दल के नेता कामरान बाग ने कहा कि मेयर के साथ बैठक हुई थी। इसमें वार्ड विकास निधि बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान मेयर ने अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उनका कहना है कि क्षेत्र बड़ा हो गया है। सीवर सड़क और नाली की समस्या आए दिन सामने आती है। कम बजट होने के चलते पार्षद चाह कर भी अपने क्षेत्र में काम नहीं करा पाते।

तेजस्वी बोले- लॉ-एंड-ऑर्डर फेल, मुख्यमंत्री इस्तीफा दें

सदन में नीतीश और राबड़ी में बहस, पूर्व CM बोलीं- दूसरों के कहने पर महिलाओं का अपमान करते हैं

पटना। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के 9वें दिन सदन में खूब हंगामा हुआ। विधानसभा के अंदर और बाहर लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर आज सरकार और विपक्ष में जमकर बयानबाजी हुई। विधान परिषद में सी.एम नीतीश कुमार और राबड़ी देवी के बीच बहस हुई। राबड़ी ने लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर सवाल उठाया तो सी.एमअपनी सीट पर खड़े हो गए और RJD के शासन काल पर हमला बोला। सी.एम नीतीश ने कहा- 'पहले क्या होता था, महिलाओं की क्या स्थिति थी, महिलाएं कितनी पढ़ी लिखी थी, हमने महिलाओं के लिए काफी काम किया है।'सदन में विपक्ष से महिलाएं बोल रही थीं कि हमारा हमेशा अपमान होता है, ये गलत बात है। कहीं से उचित नहीं है। इस पर सी.एम ने कहा- 'महिलाओं के लिए पहले कोई काम हुआ था। हमने कितना काम किया है। पहले महिलाओं को कोई पढ़ाता था? अब महिलाएं आगे हैं। पांचवीं क्लास तक महिलाएं पढ़ती थीं। आज महिलाएं कितनी आगे हैं। इन लोगों के चक्कर में चली गई हो तो कुछ नहीं जानती हो। पहले पूरी बात जानिए।' नीतीश बोले- इसलिए मैंने इन लोगों का साथ छोड़ा 'पति हट गए तो पत्नी को बना दिया, ये लोग गड़बड़ कर रहे थे। इसलिए इनका साथ छोड़ दिया हमने। आप लोग छपवा दीजिए कि हम अब इधर-उधर नहीं होंगे। यह लोग पहले मुसलमान को कितना पीटते थे और फिर वोट लेते रहते हैं। हम लोगों ने मुसलमान के लिए काफी काम किया है। हम अब जिसके साथ हैं,उसी के साथ रहेंगे कहीं इधर-उधर नहीं जाएंगे।' तेजस्वी ने मांगा सी.एम नीतीश का इस्तीफा वहीं सदन से बाहर निकले नेता तेजस्वी यादव ने भी जमकर सीएम नीतीश पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में लॉ एंड ऑर्डर खत्म हो चुका है। सरकार कानून बदलवाकर अपराधियों को जेल से बाहर निकाल रही है। नीतीश कुमार ने अपराधियों के आगे सरेंडर कर दिया है। राबड़ी देवी और नीतीश कुमार की नोक-झोंक पर तेजस्वी बोले- 'नीतीश कुमार सिर्फ महिलाओं पर बोल सकते हैं। वे राज्य की पहली महिला सीएम पर बोल रहे हैं। लालू यादव और नीतीश कुमार में कोई तुलना नहीं है। नीतीश कुमार के पास कोई नीति और विचारधारा नहीं है । लालू यादव ने विचारधारा से समझौता नहीं किया विधानसभा परिसर में राजद विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि, हमारी एकता और संविधान को तोड़ता है, उसे उल्टा टांग देना चाहिए। चाहे वह बचौल हो या फिर कोई और हो। उन्होंने कहा कि, चुनाव से पहले तमाम बाबाओं को भेजा जा रहा है। केंद्र से मंत्री आ रहे हैं। सब घबराहट है। अब सब आएंगे। विजय चौधरी के जवाब पर ठहाके
जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी के बयान पर सदन में ठहाका लगा। दरअसल, बेगूसराय विधायक कुंदन कुमार ने सवाल पूछा था कि बेगूसराय के बरौनी और अन्य प्रखंड में कृषि योग्य भूमि पर जल जमाव है। इसका जवाब देते हुए मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि, बाढ़ के पानी से खेत की उत्पादकता बढ़ती है। विजय चौधरी के बयान के बाद सदन में बैठे विधायक हंसने लगे।

हाजीपुर में दो किशोरों की डूबने से मौत

वैशाली। में दो किशोर की मौत हुई है। सहदेई थाना क्षेत्र के बाजीतपुर चकस्तूरी में एक पोखर में नहाते समय दो किशोरों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान शिवम कुमार (13) और आदित्य कुमार (17) के रूप में हुई है। घटना उस समय हुई जब चार दोस्त पशुओं के लिए चारा लेने गए थे। इसके बाद वे पोखर में नहाने चले गए। नहाते समय चारों दोस्त डूबने लगे। स्थानीय लोगों की मदद से दो युवकों - शिवा कुमार और संजीव कुमार को बचा लिया गया। लेकिन शिवम और आदित्य गहरे पानी में चले गए और डूब गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत खोजबीन शुरू की, लेकिन दोनों के शव नहीं मिले। अगले दिन SDRF की टीम ने शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है।
शिवम कुमार देसरी स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ता था और दो भाइयों में सबसे छोटा था।

अफेयर के शक में पत्नी और 3 बेटियों को मार-डाला

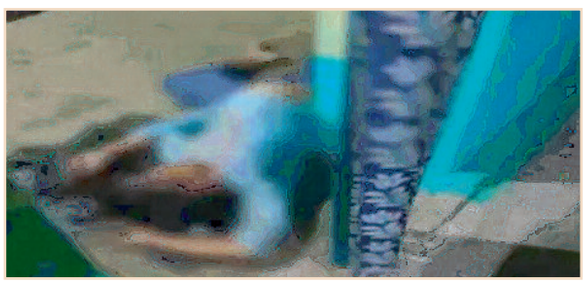

छत्तीसगढ। के जांजगीर-चांपा जिले में पति ने अपनी पत्नी और 3 बेटियों को फावड़े से मार डाला। कोर्ट के मुताबिक हत्यारे ने अफेयर के शक में वारदात को अंजाम दिया। अब कोर्ट ने हत्यारे को चारों हत्याओं के केस में 4 बार उम्र कैद की सजा सुनाई है। वारदात बलौदा थाना क्षेत्र के देवरी गांव की है। जानकारी के मुताबिक, हत्यारे का नाम देशराज कश्यप (49) है। मरने वालों में पत्नी मोंगरा बाई (40) और 3 बेटियां पूजा (16), भाग्य लक्ष्मी (10) और याचना (6) शामिल है। हत्यारा पिछले 10 साल से मानसिक बीमारी का इलाज करवा रहा था। घटना वाले दिन यानी 31 जुलाई 2023 को वह घर लौटा था।दरअसल, 31 जुलाई 2023 की रात खाना खाने के बाद मां और तीनों बेटियां कमरे में सो रही थी। आधीरात में हत्यारा देशराज उठा। घर में रखे फावड़े से पत्नी और तीनों बेटियों पर वार कर दिया, जिससे चारों ने मौके पर दम तोड़ दिया।1 और 2 अगस्त को दिनभर लोगों ने परिवार के किसी भी सदस्य को नहीं देखा। ऐसे में उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। पड़ोसियों ने सरपंच को मामले की जानकारी दी। सरपंच ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घर का दरवाजा खुलवाया। घर के अंदर पत्नी मोंगरा बाई और तीनों बेटियों की लाश लहूलुहान हालत में पड़ी थी। कमरे और घर में खून ही खून फैला हुआ था। एक लाश दरवाजे के पास पड़ी थी। बेटी की लाश जमीन पर थी। पुलिस 2 अगस्त को ही आरोपी को बलौदा बस स्टैंड से गिरफ्तार किया था।
लोक अभियोजक संदीप सिंह बनाफर के अनुसार, जांच में सामने आया था कि हत्या का कारण पत्नी पर चरित्र शंका थी। मामला कोर्ट में चल रहा था। जिला एवं सत्र न्यायाधीश शक्ति सिंह राजपूत ने चारों हत्याओं के लिए अलग-अलग 4 बार आजीवन कारावास और 1-1 हजार जुमार्ना लगाया है।

पिता ने नाच-गाकर पैसा कमाने बेटी को बिहार भेजा

दुर्ग । 6 दिन पहले बिहार के रोहतास जिले में स्थित रेड लाइट एरिया में छापेमारी के दौरान छत्तीसगढ़ की 41 नाबालिग लड़कियां देह व्यापार के धंधे में लिप्त मिलीं। इनमें तीन दुर्ग जिले की हैं। दुर्ग पुलिस की टीम रोहतास जाकर बच्चियों से मिल चुकी है। पूछताछ में बच्चियों ने बताया कि उनके साथ कोई देह व्यापार नहीं कराया जा रहा था। वे नाचने गाने का काम करते हैं। पैसा कमाने के लालच में उनके माता पिता ने बिहार नाचने के लिए भेजा था। पुलिस ने सभी लड़कियों अपने कब्जे में लेकर उन्हें वहां एक NGO के पास रखवाया है। इनके साथ एक नाबालिग लड़का भी है। इन सभी लड़कियों को लेने के लिए छत्तीसगढ़ के अलग-अलग थानों से पुलिस की टीम गई है।दुर्ग पुलिस की टीम अभी शासापुर पहुंची हैं। कल टीम रोहतास पहुंचेगी। वहां वो लोग रोहतास पुलिस औ महिला बालविकास विभाग की टीम की मदद से तीनों बच्चियों को अपनी सुपुर्दगी में लेकर दुर्ग लाएगी। ऐसा कहा जा रहा है कि टीम बच्चियों को लेकर 13 मार्च की रात तक पहुंच जाएगी। डांस ग्रुप के ठिकानों पर रेड के दौरान मिली बच्चियां 9 मार्च को रोहतास जिले के नटवार थाना पुलिस ने नटवार बाजार में 2 डांसर ग्रुपों के ठिकाने पर छापेमारी की थी। दोनों ठिकानों से छत्तीसगढ़ से आई 41 नाबालिग लड़कियों को बरामद किया गया। इनके साथ चार लड़कों को भी बरामद किया गया। पुलिस ने इस कार्रवाई में पांच लोगों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रोहतास जिले की बाल कल्याण समिति ने सभी लड़कियों को बरामद किया। समिति ने बताया कि ज्यादातर लड़कियां गरीब परिवारों से हैं। इन लड़कियों के माता-पिता ने 30 से 50 हजार रुपए में अपनी बेटी का सौदा कर दिया था। पहले इन्हें ऑर्केस्ट्रा में डांस करने के लिए लाया गया, फिर जबरन गलत काम करवाया जाने लगा। इससे होने वाली कमाई का कुछ हिस्सा लड़कियों के माता-पिता को भी भेजा जाता था। छत्तीसगढ़ के इन जिलों की लड़कियां हुई बरामद बिहार के रेड लाइट इलाके से रेस्क्यू की गई लड़कियां छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, रायपुर, राजनांदगांव, बिलासपुर, दुर्ग समेत अन्य जिलों की हैं। छत्तीसगढ़ पुलिस की कई टीमें रोहतास भेजी गई हैं।

बारात से लौट रहे ऑर्केस्ट्रा संचालक की पीट-पीटकर हत्या

छपरा। के दाउदपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक ऑर्केस्ट्रा संचालक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान एकमा थाना क्षेत्र के कोहारगर गांव निवासी शनिदेव राम के रूप में हुई है। शनिदेव अपने भाई ब्रजेश राम के साथ मांझी थाना क्षेत्र के मेहंदीगंज गांव में एक बारात से लौट रहे थे। रास्ते में बदमाशों ने स्कॉर्पियो से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। मृतक के भाई ने बताया कि टक्कर के बाद शनि कुमार गिर गए। आरोपियों ने लाठी-डंडे और रॉड से हमला कर उनकी हत्या कर दी। बता दें कि मृतक युवक के परिजनों ने एक साल पहले भगवा झंडे का अपमान किया था। इनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हुई थी। कांड का मुख्य कारण पुराना विवाद बताया जा रहा है। जिसमें अयोध्या राम मंदिर स्थापना को लेकर प्राण प्रतिष्ठा के लिए झंडा लगाए गए थे। दंगा भड़काने का मामला हुआ था दर्ज मृतक के भाई ब्रजेश और गांव के कई लोगों ने झंडे का विरोध और अपमान किया था। जिसके खिलाफ कोहरगड गांव के ग्रामीणों ने दंगा भड़काने का मामला दर्ज कराया था। जिसमें चार लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। जिसकी प्राथमिकी संख्या 28/24 एकमा थाना में दर्ज है। झंडा वाले विवाद पर जानकारी देते हुए एकमा थानाध्यक्ष ने बताया कि 20 जनवरी 2024 को कोहरगड दलित बस्ती में राम का धार्मिक झंडा लगाने को लेकर विवाद हुआ था। जिसमें 4 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद मामले के जांच के बाद सत्यता पाए जाने के बाद केस को चार्जशीट कर दिया गया है।परिजनों ने किया सड़क जाम
घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने बुधवार को माझी-एकमा मुख्य मार्ग पर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया। इससे सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया है। दाऊदपुर थानाध्यक्ष नवलेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भूपेश के घर छापा प्रदेश भर में ED का पुतला दहन

छत्तीसगढ़ के पूर्व CM भूपेश बघेल के घर पर ED रेड के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेशभर में पुतला दहन किया। रायपुर में भी कार्यकर्ताओं ने ED के पुतले फूंके। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के झड़प भी हुई। कांग्रेस ने इसे बदले की कार्रवाई बताया है।कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार विपक्षी दलों को दबाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। वहीं भूपेश बघेल ने कहा कि ये सब बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। जब-जब मैं चुनाव को लेकर दूसरे राज्य गया, तब-तब मेरे यहां छापा पड़ा। उत्तर प्रदेश, असम, झारखंड इसके उदाहरण हैं, अब पंजाब गया तो छापा पड़ा। बघेल ने कहा कि कथित सीसी कांड को लेकर 7 साल लगे, कोर्ट ने बरी कर दिया। 5 साल से केवल जांच कर रहे हैं, पता नहीं कब तक जांच करेंगे। बिरनपुर, महादेव सट्टा घोटाला जैसे कई मामले हैं, जांच चल रही है, लेकिन अभी तक बताया नहीं गया कि किस मामले में जांच कर रहे हैं।रायपुर, धमतरी और कोंडागांव समेत कई जिलों में ED की कार्रवाई के खिलाफ पुतले फूंके गए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में विरोध जताया। पुतला दहन के दौरान पुलिस और कांग्रेसियों की कई जगहों पर झड़प भी हुई। दरअसल, सोमवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और AICC महासचिव भूपेश बघेल के घर एऊ ने छापेमारी की। यह जांच करीब 10 घंटे तक चली। टीम के जाने के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि, 32-33 लाख रुपए और दस्तावेज टीम ले गई है। इसमें मंतूराम केस की पेनड्राइव भी है। करीब सुबह 8 बजे भूपेश और उनके बेटे चैतन्य के भिलाई-3 पदुमनगर स्थित घर पर चार गाड़ियों में ED की टीम पहुंची थी। दोपहर में कार्रवाई के बीच नोट गिनने और सोना जांचने की मशीनें भी मंगाई गई।

पटना में श्रीकृष्ण सिंह की स्मृति में जनसभा का आयोजन

पटना। के रविंद्र भवन में पहले मुख्यमंत्री और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह की स्मृति में जनसभा की गई है। इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद हैं। उनके साथ मंत्री जीवेश मिश्रा और अशोक चौधरी भी हैं। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि मेरे बड़े पिता में श्रीकृष्ण सिंह के निजी सचिव रहे हैं। मैं मानता हूं कि बिहार में कई महान व्यक्तियों का जन्म हुआ है। कांग्रेस के नेतृत्व में देवघर के मंदिर में दलितों का प्रवेश वर्जित हुआ था, लेकिन उन्होंने दलितों के लिए लाठी खाकर प्रवेश दिलाया था। वह एक ऐसे महान व्यक्ति हैं, जिनको शब्दों में नहीं बांधा जा सकता है। मैं समझता हूं कि उन्होंने संपूर्ण बिहार का नेतृत्व बिना जात पात के किया है। हमारे पिता के बेहद करीबी थे- अशोक चौधरी अशोक चौधरी ने कहा कि हम महापुरुषों को तब ही याद करते हैं, जब वह समाज में कोई छाप छोड़कर जाते हैं। हमारे पिताजी के बेहद करीबी थे। श्रीकृष्ण सिंह और रामधारी सिंह दिनकर पर हम जितनी चर्चा करें वह कम है। हमारे बिहार का डीएनए मजबूत है। हम पूरे देश दुनिया पर राज करने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने बैद्यनाथ धाम में पीठ पर लाठी खाकर दलितों को अंदर प्रवेश करने का अधिकार दिलाया था। हम लोग आज संकल्प लें कि सभी जाति एक साथ मिलकर बिहार की परंपरा को वापस लौटाने का काम करेंगे।श्रीकृष्ण सिंह का योगदान और विरासत पर चर्चा कार्यक्रम में श्रीकृष्ण सिंह के योगदान की चर्चा की जा रही है। श्रीकृष्ण सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी योद्धाओं में से एक थे और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद बिहार के पहले मुख्यमंत्री बने। उन्होंने राज्य के औद्योगिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके नेतृत्व में बिहार में भाखड़ा-नंगल बांध, हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन, हिंदुस्तान स्टील लिमिटेड (अब सेल), आईआईटी खड़गपुर जैसे संस्थानों की नींव पड़ी, जिससे बिहार और देश के विकास को नई गति मिली। उनकी नीतियों और प्रशासनिक क्षमता के कारण ही उन्हें 'बिहार केसरी' की उपाधि दी गई। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य श्रीकृष्ण सिंह के योगदान को याद करना और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरित करना है। यह आयोजन उनके विचारों, उनके द्वारा किए गए कार्यों और उनकी नेतृत्व क्षमता को सम्मान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

संक्षिप्त डायरी

असली होली नवंबर में होगी जब फिर NDA सरकार आएगी

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के पार्टी कार्यालय में बुधवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इस बार होली के रंग बिहार में नया इतिहास लिखने जा रहे हैं। यह तो खुशियों के रंगों की बस शुरूआत भर है, असली होली तो नवंबर के महीने में होगी, जब बिहार में एक बार फिर से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनेगी। इस मौके पर पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और समर्थक भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक अंदाज में रंग-गुलाल उड़ाए गए और एक-दूसरे को होली की बधाइयां दी गईं। पूरे माहौल में उत्साह और उल्लास देखने को मिला। होली मिलन समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का भारी उत्साह देखने को मिला। हर कोई एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दे रहा था। मंच पर चिराग पासवान के आते ही कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की और पूरे माहौल को जोशीला बना दिया। चिराग पासवान ने सभी बिहारवासियों को होली की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार आपसी भाईचारे और प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि वे मिल-जुलकर इस पर्व को मनाएं और प्रदेश की तरक्की के लिए एकजुट रहें।

जमीन के लिए दामाद ने ससुराल में चलाई गोली, गिरफ्तार

पटना। में एक दामाद ने अपनी ससुराल में जमीन हथियाने के लिए फायरिंग कर दी। घटना मंगलवार देर रात ही है। इसका सीसीटीवी बुधवार को सामने आया है। फुटेज में आरोपी को कमर से पिस्टल निकालकर फायरिंग करते हुए दिख रहा है। वहीं, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दामाद को गिरफ्तार कर लिया है। सास शकुंतला देवी ने बताया कि आरोपी दामाद रात में घर आया और दरवाजा खटखटाने लगा। जब दरवाजा नहीं खोला गया तो उसने फायरिंग कर दी। उन्होंने कहा कि आरोपी अकबरपुर नया टोला स्थित उनके घर को अपने नाम करवाने का दबाव बनाता है। वह पहले भी कई बार मारपीट कर चुका है।आरोपी की पत्नी प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका है। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनकी मां को जान से मारने की नीयत से गोली चलाई गई। उन्होंने कहा कि पति अक्सर जान से मारने की धमकी देता है। इस घटना के बाद पूरा परिवार दहशत में है। पहले भी आरोपी ने सास का गला दबाने का प्रयास किया था। पड़ोसी सौरव कुमार ने बताया कि यह पहली बार नहीं है। इससे पहले भी आरोपी ईंट-पत्थर से घर पर हमला कर चुका है। बाढ़ थाना अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार एएसपी राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसके बाद आरोपी की पहचान कर छापेमारी की गई। फायरिंग करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। जांच में पता चला कि दोनों साढ़ू हैं। आपस में इनका पारिवारिक विवाद चल रहा है, जिसके कारण इस घटना को अंजाम दिया गया है।

दरभंगा में वर्दी में शराब पीते चौकीदार का वीडियो

दरभंगा। जिले के बहेड़ी थाना के एक चौकीदार का वर्दी में शराब पीते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में चौकीदार विजय पासवान झोपड़ी में बैठकर शराब पीते नजर आ रहा है। थानाध्यक्ष वरुण कुमार गोस्वामी ने बताया कि बहेड़ी थाना के दो चौकीदारों का शराब पीते वीडियो सामने आया है, जिसकी जांच की जा रही है। उन्होंने पुष्टि की कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति विजय पासवान है, लेकिन दूसरे व्यक्ति की पहचान की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वायरल हुए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि वर्दी में चखना के साथ चौकीदार एक झोपड़ी में शराब पी रहा है। उसे साथ देने में कई और लोग है। वीडियो में कहा जा रहा है कि एक दूसरा चौकीदार भी है।शराबबंदी कानून लागू होने के बाद चौकीदारों को भी इसकी निगरानी की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन इस घटना ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ चौकीदारों की मिलीभगत से शराब तस्करी को बढ़ावा मिल रहा है।

'नमाज का समय नहीं बदल सकता, होली रोकी जाए

दरभंगा। की मेयर अंजुम आरा ने जिला प्रशासन से शुक्रवार को जुम्मे की नमाज को देखते हुए होली खेलने पर रोक लगाने की अपील की है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि जुम्मे की नमाज का टाइम आगे जा नहीं सकता है, इसलिए होली पर डेढ़ घंटे का ब्रेक होना चाहिए। मेयर ने ये भी कहा, 'डेढ़ घंटा मस्जिद और नमाज पढ़ने की जगहों से होली खेलने वाले दूरी बना कर रखें।' दरअसल, दरभंगा में जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को होली को देखते हुए शांति समिति की बैठक बुलाई गई थी। बैठक के बाद मेयर ने कहा, 'मैं लोगों से और जिला प्रशासन से अपील करती हूं कि शुक्रवार को दोपहर 12:30 से 2 बजे तक होली को रोका जाए।मेयर का बयान ऐसे समय में आया जब बीजेपी विधायक हरिभूषण बचौल ने दो दिन पहले होली में मुसलमानों को घर से बाहर न निकलने की नसीहत दी थी। बता दें कि अंजुम आरा 2023 में जेडीयू में शामिल हुई थीं। उनके इस बयान के बाद अब पार्टी के नेता ही उनपर निशाना साधा रहे हैं। जदयू नेता और मंत्री अशोक चौधरी ने कहा, 'दरभंगा मेयर को पार्टी से निकाल देना चाहिए। ऐसे बयान बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।' वहीं, मंत्री श्रवण कुमार ने मेयर को ऐसे बयान न देने की नसीहत दी है। मेयर ने कहा, 'त्योहारों पर कोई झगड़ा नहीं चाहता, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने की कोशिश करते हैं। पहले भी कई बार होली और रमजान एक ही दिन पड़े हैं। तब भी दोनों त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए गए थे।'

फरीदाबाद के वार्ड नंबर 45 से गेस्ट टीचर बनी पार्षद

फरीदाबाद (ब्यूरो)। फरीदाबाद नगर निगम चुनावों के परिणाम बुधवार को घोषित किए गए। वार्ड नंबर-45 से फरीदाबाद की एक गेस्ट टीचर ने पार्षद बनकर कीर्तिमान रचने का काम किया है। गेस्ट टीचर किरण बाला भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ी और 5935 वोटों के बड़े अंतर से चुनाव जीतने में कामयाब हुई। किरण बाला ने 7983 मत हासिल करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी मोहिनी सिंह को 5935 मतों के अंतर से हराया। मोहिनी सिंह मात्र 2048 वोट ही हासिल कर सकी। बल्लभगढ़ के विधायक पं. मूलचंद शर्मा के बड़े भाई टिपरचंद शर्मा ने उनका अपने कार्यालय में बुलाकर स्वागत किया और कहा कि पढ़ी-लिखी पार्षद बनने के चलते अब वार्ड के लोगों को जहां विकास कार्यों के लिए परेशान नहीं होना होगा, वहीं एक गेस्ट टीचर होने के नाते वह अपने अधिकारों का बखूबी निर्वहन करेंगी।

एक ही परिवार से तीन निर्दलीय बने पार्षद

फरीदाबाद (ब्यूरो)। नगर निगम चुनाव में बल्लभगढ़ के आसपास भाजपा को निर्दलीय प्रत्याशियों ने जबरदस्त टक्कर दी है। एक ही परिवार से पति, पत्नी और देवर तीन वार्डों से चुनाव जीतकर पार्षद बन कर पहली सदन में पहुंचे। इनमें पति लगातार दूसरी बार चुनाव बने हैं। उल्लेखनीय है कि बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पूर्व पार्षद राव रामकुमार ने चुनाव लड़ा था। वे 23077 मत प्राप्त करके तीसरे स्थान पर रहे थे। उनके भतीजे दीपक यादव पिछली बार भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीत कर निगम में पहुंचे थे। इस बार राव रामुकमार ने वार्ड नंबर-40 से अपने बेटा पवन यादव को, 42 से पूर्व पार्षद व भतीजे दीपक यादव को और 43 वार्ड से पूर्व पार्षद दीपक यादव की पत्नी रश्मि यादव को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतारा था और तीनों ही विजय हासिल करने में सफल रहे। पवन यादव दीपक के चचेरे भाई हैं और रश्मि यादव के रिश्ते में देवर लगते हैं। राव रामकुमार ने तीन वार्ड से निर्दलीय प्रत्याशी निगम के चुनावी मैदान में उतार जीत दर्ज की है। यह पहली बार है जब एक ही परिवार के तीन सदस्य निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव जीत कर नगर निगम सदन पहुंचे। यहां पर राव रामकुमार ने भाजपा के रणनीतिकारों और पूर्व मंत्री व विधायक मूलचंद शर्मा को राजनीतिक रूप से सोचने पर मजबूर कर दिया है। विधानसभा क्षेत्र में कुछ आठ वार्ड हैं। इनमें से तीन वार्ड पर एक ही परिवार के पार्षदों का कब्जा करके इतिहास बना दिया है।

फरीदाबाद में बच्चे का अपहरण कर हत्या करने के दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद (ब्यूरो)। सेक्टर-21डी इलाके में रहने वाले नौ वर्षीय बच्चे की अपहरण के बाद हत्या करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अपहरणकर्ताओं ने बच्चे को पार्क में खेलते समय अपहरण किया और बच्चे के पिता से पांच लाख की फिरौती मांगी, जब उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस को दी तो अपहरणकर्ताओं ने बच्चे की हत्या कर दी। मृतक बच्चे के पिता महेंद्र ने बताया कि उनका बेटा सोमवार शाम से लापता था। पूरी रात बच्चा घर नहीं लौटा। सुबह उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद उन्हें फिरौती के लिए फोन आया। कुछ देर बाद पुलिस ने सूचना दी कि मांगर इलाके में एक बच्चे का शव मिला है। शव को बादशाह खान सिविल अस्पताल के शवगृह में रखा गया। पिता ने बच्चे के गले में पहने धागे और कपड़ों से उसकी पहचान की। अपराध शाखा सेक्टर-48 की टीम ने बुधवार को अजीत सिंह निवासी एसजीएम नगर व सहदाब निवासी सेक्टर 48 एसजीएम नगर को गिरफ्तार किया है। आरोपी सहदाब ने पूछताछ में बताया कि वह मुख्य आरोपी अजीत का दोस्त है। उससे आरोपी अजीत ने बच्चे की लाश को ठिकाने लगाने के लिए स्कूटी मांगी थी, जिस पर उसने अजीत को अपनी स्कूटी दी थी। अजीत बच्चे की लाश को स्कूटी पर रखकर फरीदाबाद-गुरुग्राम सड़क पर डाल आया था। इसके बाद अजीत के कहने पर उसने विनय के परिवार वालों को पांच लाख की फिरौती देने के लिए फोन किया। आरोपी अजीत ने ही उसको अपना फोन व विनय के परिवार वालों का नम्बर दिया था। जिस पर उसने फिरौती के लिए फोन किया था। आरोपी ने यह भी बताया कि वह व अजीत कर्जदार थे। जिसके लिए उन्होंने अपहरण कर फिरौती मांगने का प्लान बनाया था।

फरीदाबाद जिला में शांतिप्रिय ढंग से संपन्न हुई मतगणना प्रक्रिया

फरीदाबाद (ब्यूरो)। नगर निगम चुनाव के मद्देनजर बुधवार को फरीदाबाद जिला में व्यवस्था पूर्ण तरीके से सभी मतगणना केंद्रों पर मतगणना प्रक्रिया विधिवत रूप से संपन्न हुई। बेहतर सुरक्षात्मक ढंग से मतगणना का कार्य किया गया। मतगणना के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी विक्रम सिंह ने सभी मतगणना केंद्रों का दौरा करते हुए चल रही मतगणना प्रक्रिया का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि बुधवार दोपहर तक चली मतगणना राज्य निर्वाचन आयोग की हिदायतों अनुसार प्रत्याशियों व उनके एजेंट के सामने पारदर्शिता के साथ की गई। उन्होंने बताया कि नगर निगम चुनाव के दौरान मतदान प्रक्रिया से लेकर मतगणना प्रक्रिया को पूरी सजगता व सक्रियता के साथ पूरा किया गया है। किसी भी रूप से राज्य निर्वाचन आयोग की हिदायतों की अवहेलना न हो इसके लिए हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए गए थे। डीसी ने जिला में शांति प्रिय ढंग से संपन्न हुई मतगणना के लिए सभी प्रत्याशियों व चुनावी प्रक्रिया में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों का धन्यवाद देते हुए कहा कि टीम भावना के साथ ही नगर निगम चुनाव को पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता व सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूरा किया गया है। डीसी विक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व स्वतंत्र रूप से संपन्न कराने में प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी निभाई है। मतगणना केंद्रों पर वार्ड नंबर 01, 02, 03, 04, 41 और 46 के लिए एआरओ सहित 20 टेबल बल्लभगढ़ सेक्टर-2 स्थित श्रीमती सुषमा स्वराज राजकीय बालिका महाविद्यालय में मतगणना हुई। वहीं वार्ड नंबर 05, 06, 07, 08 और 09 के लिए एआरओ सहित 15 टेबल एनआईटी-3 स्थित डीएवी सेंटेनरी कॉलेज, वार्ड नंबर 10, 11, 12, 13 और 15 के लिए एआरओ समेत 17 टेबल के.एल. मेहता कॉलेज फॉर वुमन, एनआईटी फरीदाबाद के लिए मतगणना हुई। डीसी ने बताया कि वार्ड नंबर 14, 36, 37, 38 और 39 के लिए एआरओ समेत 18 टेबल सेक्टर-16 ए स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में मतगणना हुई। वार्ड नंबर 16, 17, 18, 19 और 20 के लिए एआरओ समेत 17 टेबल सेक्टर-14 स्थित डीएवी स्कूल, वार्ड नंबर 21, 22, 23, 24 और 29 के लिए एआरओ समेत 15 टेबल कम्युनिटी सेंटर, एसजीएम नगर फरीदाबाद, वार्ड नंबर 25, 26, 27, 28 और 30 के लिए एआरओ समेत 15 टेबल कम्युनिटी सेंटर, सेक्टर-28, वार्ड नंबर 31, 32, 33, 34 और 35 के लिए एआरओ समेत 18 टेबल सेक्टर-16 ए स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय तथा वार्ड नंबर 40, 42, 43, 44 और 45 के लिए एआरओ समेत 16 टेबल सेक्टर-14 स्थित डीएवी स्कूल में मतगणना कर्मियों सहित संबंधित एआरओ की मौजूदगी में व्यवस्था पूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, 12 मार्च (वेब वार्ता)। थाना साइबर सेंट्रल की पुलिस टीम ने क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम का झांसा देकर धोखाधड़ी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार बताया कि बसेलवा कॉलोनी के रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने शिकायत में आरोप लगाया कि 31 जनवरी को उसके फोन पर एक फोन आया। जिसने अपना परिचय एक्सिस बैंक के क्रेडिट कार्ड एसोसिएट के रुप में दिया और कहा कि क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढाने संबंध में कॉल की है। जिसने एक लिंक भेजकर, लिंक के माध्यम से डिटेल भराई और कहा कि ओटीपी आएगा किसी को शेयर नही करना। डिटेल भरने के उपरांत शिकायतकर्ता के साथ 47 हजार 139 रुपए का फ्रॉड हो गया। जिसकी शिकायत पर साइबर थाना सेन्ट्रल में मामला दर्ज किया गया। साइबर पुलिस टीम ने मामले में निखिल सिंह निवासी उत्तम नगर नई दिल्ली व नितिन सिंह निवासी नई दिल्ली को पालम गांव दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है ।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में की घोषणा

हरियाणा में अगर शामलात देह भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर हस्तांतरित की गई है तो उसकी जांच की जाएगी

गोहाना मार्ग पर स्थित पीर बोधी मामले में जांच के लिए रोहतक मंडलायुक्त के तत्वावधान में बनेगी कमेटी

कमेटी इस मुद्दे से संबंधित सारे तथ्य और रिकॉर्ड की गहनता से करेगी जांच

नई दिल्ली। सौरभ वार्ष्णेय

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सदन में घोषणा करते हुए कहा कि हरियाणा प्रदेश में अगर कहीं भी किसी भी गांव की शामलात देह भूमि वक्फ बोर्ड के नाम की गई है तो इसकी पूरी जांच करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि रोहतक - गोहाना मार्ग पर स्थित पीर बोधी मामले में जाँच के लिए रोहतक मंडलायुक्त के तत्वावधान में एक कमेटी का गठन किया जायेगा। करनाल मंडलायुक्त और जिला उपायुक्त रोहतक इस कमेटी के सदस्य होंगे। यह कमेटी पीर बोधी मुददे से संबंधित सारे तथ्य और रिकॉर्ड की गहनता से जांच करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सदन में सदस्य द्वारा उठाये गया पीर बोधी मुद्दे को सरकार ने गंभीरता से लिए और अब तक की जाँच में जो तथ्य सामने आये हैं इसमें खुलासा हुआ कि 1967-68 में यह भूमि शामलात देह भूमि थी। वर्ष 1990 में यह भूमि भारत सरकार द्वारा

पंजाब वक़्फ़ बोर्ड के नाम अधिसूचित कर दी गई। तत्पश्चात, यह भूमि कब्रिस्तान के रूप में दर्ज की गई। अब यह भूमि वक़्फ़ बोर्ड के नाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शामलात देह भूमि को वक्फ बोर्ड को कैसे स्थानांतरित किया गया ये बड़ा गंभीर विषय है। इसके पीछे कौन सी ताकतें थीं और कौन लोग थे और उन्होंने कैसे इसको वक्फ बोर्ड के नाम कर दिया। अब 2024 में एक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद यह जमीन वक्फ बोर्ड के प्रबंधन में आई तथा अब लीज पर दी हुई है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार जोहड़, तालाब और जलाशय के सरंक्षण के लिए संकल्पबद्ध है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने हरियाणा ग्राम शामलात भूमि (विनियमन) अधिनियम 2024 में संशोधन किया। इसमें शामलात देह भूमि पर 500 गज तक मकान बना कर रह रहे लोगों को मालिकाना हक़ दिया। लेकिन इसमें यह कहा गया की अगर वहां पर जोहड़ , तालाब या जलाशय है, तो मकान नहीं बनाया जा सकेगा। हमारी सरकार ने जोहड़ , तालाब और जलाशयों को संरक्षित करने का काम किया है।

हरियाणा की जनता विकास, पारदर्शिता और सुशासन के साथ है

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधान सभा में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज के नतीजों ने यह साबित कर दिया कि हरियाणा की जनता विकास, पारदर्शिता और सुशासन के साथ है। उन्होंने कहा कि इन चुनावों में जनता ने बड़े बहुमत के साथ प्रदेश के नॉनस्टॉप विकास के लिए शहरों को आज तीसरा इंजन दिया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह ने चंडीगढ़ से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अयोध्या यात्रा बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने आज अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत अयोध्या के लिए बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने बस को रवाना करने से पहले बस में सवार तीर्थ यात्रियों से बात की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने तीर्थ यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर वर्ग के लोगों के लिए कल्याणकारी नीतियां लागू कर रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना भी उसी का एक हिस्सा है, जिसमें प्रदेश सरकार 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा करवा रही है। इस योजना में वे परिवार शामिल हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपए तक या इससे कम है। इस यात्रा में अंबाला व पंचकूला के लगभग 46 यात्री शामिल हैं। सभी यात्री अयोध्या जी दर्शन करेंगे उसके उपरांत हनुमान गढ़ी और सरयू नदी में स्नान करेंगे। योजना के तहत अब तक 800 से अधिक यात्रियों को तीर्थ स्थलों के दर्शन करवाए गए हैं। योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक श्रद्धालुओं को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। इस अवसर पर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक श्री विवेक कालिया तथा प्रेस सचिव श्री प्रवीण आत्रेय उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के मार्ग में ग्रामीण आँचल के साथ साथ शहरों की एक बड़ी जिम्मेवारी है।

उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि नए चुने हुए नेतृत्व में शहरों की सरकारे जन आकांक्षाओं के अनुरूप विकास कार्य और जन सेवा को और अधिक गति प्रदान करेंगी।

नायब सिंह सैनी ने शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए निकाय चुनावों के लिए प्रदेश की जनता, राज्य चुनाव आयोग और चुनाव की प्रक्रिया से जुड़े तमाम अधिकारियों व कर्मचारियों का भी धन्यवाद व्यक्त किया।

रेणु बाला ने 1263 मतों से जीता नपा हथीन अध्यक्ष पद का चुनाव

पलवल। निर्वाचन अधिकारी हथीन नगर पालिका एवं एमडी शुगर मिल पलवल विकास कुमार यादव ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ के कुशल मार्गदर्शन में जिला प्रशासन की ओर से गत दो मार्च को हुए हथीन नगर पालिका आम चुनाव की मतगणना बुधवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न हुई।

रिटर्निंग अधिकारी विकास कुमार यादव ने बताया कि हथीन नगर पालिका के चेयरमैन का चुनाव रेणु लता ने 1263 वोट से जीता।

चेयरमैन पद के चुनाव में रेणु लता ने 4108, आभा ने 2845, सविता रानी ने 1731, मीनू नकुल राघव ने 1422 मत प्राप्त किए। नोटा पर 55 वोट डाले गए। हथीन नगर पालिका वार्ड पार्षद पद के चुनाव में वार्ड नंबर-1 से हेमंत कुमार 196 वोट से, वार्ड नंबर-2 से विशाल सिंह 57 वोट से, वार्ड नंबर-3 से सुखपाल सिंह 131 वोट से, वार्ड नंबर-4 से रीना 77 वो से,

वार्ड नंबर-5 से धीरज उपाध्याय 144 वोट से, वार्ड नंबर-6 से उर्मिल (निर्विरोध), वार्ड नंबर-7 से पवन कुमार उर्फ जॉन्टी 380 वोट से, वार्ड नंबर-8 से संदीप कुमार 6 वोट से, वार्ड नंबर-9 से राजबीर सिंह 162 वोट से, वार्ड नंबर-10 से संतोष (निर्विरोध), वार्ड नंबर 11 से सिरातुल निशा (निर्विरोध), वार्ड नंबर-12 से राकेश गर्ग 191, वार्ड नंबर-13 से सौरभ सिंगला 278 वोट तथा वार्ड नंबर-14 से निशा 114 वोट से विजेता रही। रिटर्निंग अधिकारी विकास कुमार यादव ने विजेता प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

तीन-तीन राउंड में हुई अध्यक्ष व पार्षद पद की मतगणना =

रिटर्निंग अधिकारी हथीन नगर पालिका एवं एमडी शुगर मिल पलवल विकास कुमार यादव ने बताया कि बुधवार को मतगणना प्रक्रिया के तहत 5 टेबल लगाई गई थीं, जिन पर नगर पालिका हथीन के अध्यक्ष और पार्षद पद की मतगणना हुई। अध्यक्ष व पार्षद पद की मतगणना तीन-तीन राउंड में हुई। मतगणना के दौरान जिला प्रशासन की ओर से हरियाणा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुपालना प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की गई।

शेयर मार्किट में निवेश के नाम पर 40 लाख की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। शेयर मार्किट में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगी करने के मामले में साइबर थाना सेन्ट्रल की टीम ने पंजाब के अमृतसर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मनीष वासी नमक मण्डी अमृतसर पंजाब व सचिन वासी फर्तेह सिंह कालोनी अमृतसर पंजाब का नाम शामिल है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना सेन्ट्रल में सेक्टर-87 की रहने वाली एक महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 13 दिसंबर को व्हाट्सएप के माध्यम से एक लडक़ी एलियाना जोसेफ ने शिकायतकर्ता से सम्पर्क किया। जिसने ट्रेडिंग ऐप के संबंध में समझाया और बताया कि उनको टेड़िंग के मामले में 20 साल का अनुभव है।

भाजपा की प्रवीन जोशी बनीं मेयर, तीन लाख 16 हजार के अंतर से जीती

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद के दो मार्च को हुए चुनाव के दस दिन बाद आज बुधवार को नतीजे आ गए हैं। भाजपा की मेयर प्रत्याशी प्रवीण जोशी ने बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने कांग्रेस की प्रत्याशी लता रानी को 3 लाख 16 हजार 852 वोटों के अंतर से हराया है। भाजपा प्रत्याशी प्रवीण जोशी को चार लाख 16 हजार 927 वोट मिले। वहीं, दूसरे नंबर पर रहीं कांग्रेस प्रत्याशी लता रानी को एक लाख 75 वोट मिले। बता दें कि सुबह आठ बजे से शुरू हुई मतगणना के पहले चरण से ही प्रवीण जोशी ने बड़ी बढ़त बना ली थी, जो हर राउंड के बाद बढ़ती गई। नगर निगम फरीदाबाद में मेयर पद के चुनाव की मतगणना में आठ राउंड पूरा होने के बाद भाजपा की प्रत्याशी प्रवीन जोशी दो लाख 27 हजार 768 वोटों से आगे हो गई थीं। इसके बाद से उनकी जीत सुनिश्चित मानी जा रही है। कुल 13 राउंड की गिनती के बाद प्रवीण जोशी को विजयी घोषित किया गया। निगम चुनाव में छह लाख दो हजार 70 वोट डाले गए थे। अन्य प्रत्याशियों में आम आदमी पार्टी की निशा दलाल फौजदार, बसपा की मनसा पासवान और अन्य दो निर्दलीय प्रत्याशियों में अंजना शर्मा व संगीता यादव मैदान में थी। भाजपा की मेयर पद की प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी विजयी होने के बाद अपने पति संदीप जोशी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और इस जीत को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की जीत बताया। जोशी को रिटर्निंग अधिकारी एवं सीईओ जिला परिषद सतबीर मान ने जीत का सर्टिफिकेट प्रदान किया। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर व भाजपा जिलाध्यक्ष राज कुमार वोहरा भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इस बार कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला।

खेल केवल चैंपियन नहीं बनाते बल्कि शांति, प्रगति और कल्याण को भी बढ़ावा देते हैं- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

मधुबन पुलिस अकादमी में 73वीं अखिल भारतीय पुलिस वालीबॉल समूह 2024-25 के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ने की शिरकत

विजेता खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया सम्मानित

नई दिल्ली। ब्यूरो

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेल मात्र पदक जीतने का ही नहीं है बल्कि लोगों का दिल जीतने का माध्यम भी हैं। खेल केवल चैंपियन ही नहीं बनाते बल्कि यह शांति, प्रगति और कल्याण को भी बढ़ावा देते हैं। ये दुनिया को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस कर्मचारियों से अपील की कि वे खेल भावना को मैदान तक सीमित न रखकर दैनिक जीवन में भी अपनायें। अनुशासन, समर्पण और टीम वर्क को कर्तव्य में समाहित करें।

मुख्यमंत्री आज जिला करनाल में मधुबन पुलिस अकादमी में 73वीं अखिल भारतीय पुलिस वालीबॉल समूह 2024-25 के समापन अवसर पर आयोजित पारितोषिक वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए।मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन है बल्कि पुलिस बल के अनुशासन, एकता और समर्पण का भी प्रतीक है। खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं बल्कि अनुशासन, टीम वर्क, धैर्य और आत्मबल को विकसित करने का महत्त्वपूर्ण माध्यम भी हैं। ये न केवल शारीरिक दक्षता को

बढ़ाते हैं बल्कि अनुशासन भावना और मानसिक शक्ति को भी मजबूत करते हैं। साथ ही विपरीत परिस्थितियों में खड़े रहने की प्रेरणा देते हैं।

देश की सुरक्षा में दिन-रात लगे हुए हैं पुलिस कर्मचारी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि खेल पुलिस बलों को कर्तव्यों का पालन करने में सहायक होते हैं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की 35 टीमों के 1088 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें से 791 पुरूष, 297 महिला और 65 तकनीकि अधिकारी भी शामिल हैं।

नायब सिंह सैनी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि पुलिस कर्मचारी देश की आंतरिक सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा में दिन-रात लगे रहते हैं। प्राकृतिक आपदा, कानून व्यवस्था अथवा आपात स्थिति में जन सहयोग की बात हो, पुलिस अग्रिम पंक्ति में खड़ी रहती है। पुलिस न केवल कर्तव्यों को निभा रही है बल्कि खेलों में भी अमिट छाप छोड़ रही है। इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को दक्षता व क्षमता का साबित करने का अवसर तो मिला ही है, साथ ही एक दूसरे की भावनाओं, मान्यताओं तथा रहन सहन की जानकारी भी मिली है। इससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलती है।

खेल और पुलिस बल का गहरा संबंध

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल और पुलिस बल का गहरा संबंध है। एक अच्छा सिपाही अच्छा खिलाड़ी भी होता है। खेल फिटनेस को भी बनाये रखते हैं। खिलाड़ियों के दम खम पर भारत आज ओलंपिक तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय खेलों में बड़ी शक्ति के रूप में उभर रहा है। हरियाणा के खिलाडियों को इनमें सर्वाधिक योगदान रहा है। कुछ दिन पहले राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने हरियाणा के 11 खिलाडियों को सम्मानित किया।नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2024 में पेरिस में आयोजित ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते गये 6 में से 5 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने प्राप्त किये। टोक्यो ओलंपिक 2020 में जीते 7 में से 4 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने हासिल किये। वर्ष 2022 के एशियाई खेलों में जीते गये 111 में से 28 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने प्राप्त किये। इतना ही नहीं 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में भी हरियाणा ने 20 पदक जीते। यह सरकार की दूरदर्शी खेल नीति का परिणाम है।

खिलाड़ियों के लिए बनाया हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021

मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षित रोजगार सुनिश्चित करने के लिये हरियाणा उत्कृष्ट खिलाड़ी सेवा नियम 2021 बनाये हैं। इसके तहत खेल विभाग में 550 नये पद बनाये गये हैं। अब तक 224 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है। खिलाड़ियों के लिये श्रेणी एक से चार तक की सीधी भर्ती में आरक्षण का प्रावधान किया है। हरियाणा पहला ऐसा राज्य है जहां पदक जीतने वालों को नकद पुरस्कार दिया जाता है। अब तक 591 करोड़ के नकद पुरस्कार दिये जा चुके हैं। इतना ही नहीं खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 218 खिलाड़ियों को मानदेय दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले छात्रों को छात्रवृति प्रदान की जा रही है। वर्ष 2014 से अब तक 29 हजार से अधिक छात्रों को 53 करोड़ 45 लाख रुपए की छात्रवृति प्रदान की गई है।

प्रदेश में 1489 खेल नर्सरियां कार्यरत हैं। इनमें 37 हजार 225 खिलाड़ी प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रदेश में खेलों के लिये मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है।उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि जिस भी खेल में हैं, उसे जमकर खेलें और,खुद भी जीतें और टीम को भी जितायें। हारने पर भी बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। पीएम ने भी एक बार कहा था-खेल ऐसा क्षेत्र हैं जहां कोई हारता नहीं है बल्कि सीखता है। विकसित भारत और विकसित हरियाणा के निर्माण में पुलिस कर्मचारियों की भूमिका और बढ़ जाती है।

19वीं बार हरियाणा को मिला अखिल भारतीय पुलिस खेलों की मेजबानी का जिम्मा

पुलिस महानिदेश श्री शत्रुजीत कपूर ने बताया कि हरियाणा पुलिस को 19वीं बार अखिल भारतीय पुलिस खेलों की मेजबानी का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खिलाड़ियों के भत्तों में तीन गुणा वृद्धि की है। वर्दी भत्ता ढाई गुणा बढ़ाया गया है। इतना ही नहीं मोबाइल भत्ता भी शुरू किया गया है। यात्रा भत्ता 10 दिन से बढ़ाकर 20 दिन कर दिया गया है। राशन भत्ता भी बढ़ाया गया है। शहीदों के आश्रितों की दी जाने वाली अनुग्रह राशि को तीन गुणा कर दिया है। प्रदेश में 22 पुलिस पब्लिक स्कूल खोले गये हैं। पुलिस लाइनों में 16 ई-लाइब्रेरी खोली जा चुकी है। हर जिला में जिम बनाये गये हैं।इस मौके पर आईबी के संयुक्त निदेशक आईपीएस विधु शेखर ने भी खिलाडियों को संबोधित किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सचिव एवं पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश, रोहतक रेंज आईजी केके राव, उपायुक्त उत्तम सिंह, एसपी गंगा राम पूनिया मौजूद रहे।

राग-रंग का लोकप्रिय पर्व होली

होली भारत का प्रमुख त्योहार है। होली जहाँ एक ओर सामाजिक एवं धार्मिक त्योहार है, वहीं रंगों का भी त्योहार है। बाल-वृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े उत्साह से मनाते हैं। इसमें जातिभेद-वर्णभेद का कोई स्थान नहीं होता। इस अवसर पर लकड़ियों तथा कंडों आदि का ढेर लगाकर होलिकापूजन किया जाता है फिर उसमें आग लगायी जाती है। पूजन के समय मंत्र उच्चारण किया जाता है।

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय और नेपाली लोगों का त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम-धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे प्रमुखत: धुलेंडी व धुरड्डी, धुरखेल या धूलिवंदन इसके अन्य नाम हैं, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं। राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही पर इनको उत्कर्ष तक पहुँचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

विशिष्ट उत्सव

भारत में होली का उत्सव अलग-अलग प्रदेशों में भिन्नता के साथ मनाया जाता है। ब्रज की होली आज भी सारे देश के आकर्षण का बिंदु होती है। बरसाने की लठमार होली काफ़ी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएँ उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। इसी प्रकार मथुरा और वृंदावन में 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है। कुमाऊँ की गीत बैठकी में शास्त्रीय संगीत की गोष्ठियाँ होती हैं। यह सब होली के कई दिनों पहले शुरू हो जाता है। हरियाणा की धुलंडी में भाभी द्वारा देवर को सताए जाने की प्रथा है। बंगाल की दोल जात्रा चैतन्य महाप्रभु के जन्मदिन के रूप में मनाई जाती है। जलूस निकलते हैं और गाना बजाना भी साथ रहता है। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की रंग पंचमी में सूखा गुलाल खेलने, गोवा के शिमगो में जलूस निकालने के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन तथा पंजाब के होला मोहल्ला में सिक्खों द्वारा शक्ति प्रदर्शन की परंपरा है। तमिलनाडु की कमन पोडिगई मुख्य रूप से कामदेव की कथा पर आधारित वसंतोतसव है जबकि मणिपुर के याओसांग में योंगसांग उस नन्हीं झोंपड़ी का नाम है जो पूर्णिमा के दिन प्रत्येक नगर-ग्राम में नदी अथवा सरोवर के तट पर बनाई जाती है। दक्षिण गुजरात के आदिवासियों के लिए होली सबसे बड़ा पर्व है, छत्तीसगढ़ की होरी में लोक गीतों की अद्भुत परंपरा है और मध्यप्रदेश के मालवा अंचल के आदिवासी इलाकों में बेहद धूमधाम से मनाया जाता है भगोरिया, जो होली का ही एक रूप है। बिहार का फगुआ जम कर मौज मस्ती करने का पर्व है और नेपाल की होली में इस पर धार्मिक व सांस्कृतिक रंग दिखाई देता है। इसी प्रकार विभिन्न देशों में बसे प्रवासियों तथा धार्मिक संस्थाओं जैसे इस्कॉन या वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में अलग अलग प्रकार से होली के शृंगार व उत्सव मनाने की परंपरा है जिसमें अनेक समानताएँ और भिन्नताएँ हैं।

आधुनिकता का रंग

होली रंगों का त्योहार है, हँसी-खुशी का त्योहार है, लेकिन होली के भी अनेक रूप देखने को मिलते है। प्राकृतिक रंगों के स्थान पर रासायनिक रंगों का प्रचलन, भांग-ठंडाई की जगह नशेबाजी और लोक संगीत की जगह फ़िल्मी गानों का प्रचलन इसके कुछ आधुनिक रूप हैं। लेकिन इससे होली पर गाए-बजाए जाने वाले ढोल, मंजीरों, फाग, धमार, चैती और ठुमरी की शान में कमी नहीं आती। अनेक लोग ऐसे हैं जो पारंपरिक संगीत की समझ रखते हैं और पर्यावरण के प्रति सचेत हैं। इस प्रकार के लोग और संस्थाएँ चंदन, गुलाबजल, टेसू के फूलों से बना हुआ रंग तथा प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की परंपरा को बनाए हुए हैं, साथ ही इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे रहे हैं। रासायनिक रंगों के कुप्रभावों की जानकारी होने के बाद बहुत से लोग स्वयं ही प्राकृतिक रंगों की ओर लौट रहे हैं। होली की लोकप्रियता का विकसित होता हुआ अंतर्राष्ट्रीय रूप भी आकार लेने लगा है। बाज़ार में इसकी उपयोगिता का अंदाज़ इस साल होली के अवसर पर एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान केन्ज़ोआमूर द्वारा जारी किए गए नए इत्र होली है से लगाया जा सकता है।

होलिका दहन पर भद्रा का साया और होली पर चंद्र ग्रहण, जानिए कब क्या करें?

होलिका दहन के बाद दूसरे दिन होली खेली जाती है जिसे धुलेंडी कहते हैं। धुलेंडी यानी रंगवाली होली। इस बार होलिका दहन और धुलेंडी पर भद्रा के साथ ही चंद्र ग्रहण का योग भी बन रहा है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि होलिका दहन की पूजा कब करें और कब होली खेलें। हिंदू पंचांग अनुसार 13 मार्च 2025 गुरुवार को होलिका दहन होगा और 14 मार्च शुक्रवार को धुलेंडी रहेगी लेकिन क्या है होलिका दहन का मुहूर्त और कब खेलें होली।

पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ- 13 मार्च 2025 को सुबह 10:35 बजे से प्रारंभ।

पूर्णिमा तिथि समाप्त- 14 मार्च 2025 को दोपहर 12:23 बजे समाप्त।

भद्रा पूंछ- शाम को 06:57 से रात्रि 08:14 तक।

भद्रा मुख- रात्रि 08:14 से रात्रि 10:22 तक।

दिनांक 14 मार्च 2025 शुक्रवार को सुबह 09:29 बजे से दोपहर 03:29 बजे तक यह पूर्ण चंद्र ग्रहण लगेगा। होलिका दहन और होली पर भारत में चंद्र ग्रहण का प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। होली पर चंद्र ग्रहण और सूतक काल का कोई प्रभाव नहीं रहेगा इसलिए धुलेंडी का पर्व मनाया जा सकता है।

13 मार्च 2025 को रात्रि में भद्रा के पूंछ काल में होलिका दहन कर सकते हैं। यदि भद्रा को छोड़ना है तो होलिका दहन श्रेष्ठ मुहूर्त- मध्यरात्रि 11:26 से 12:30 के बीच। इसके बाद दूसरे दिन रंग वाली होली खेल सकते हैं।

होली खेलने से पहले इन बातों का रखें ध्यान!

रंगों और खुशियों के त्योहार होली के रंग में सराबोर होने के लिए घर से निकलने से पहले आपको त्वचा और बालों की सुरक्षा के संबंध में कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए, जिससे आपको किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े. त्वचा विशेषज्ञ ने होली खेलने निकलने से पहले त्वचा की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं -

- कुछ लोग होली खेलने के पहले बाल यह सोचकर नहीं धुलते हैं कि रंग खेलने से बाल गंदे होने ही हैं, लेकिन पहले से गंदे बाल में रंग लगने से आपके बालों को और नुकसान पहुंच सकता है और बाल रुखे हो सकते हैं, इसलिए बाल धुलकर, सुखाने के बाद बालों में अच्छी तरह से तेल लगाकर ही होली खेलने निकलें.
- होली खेलने निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम लगाना नहीं भूलें, क्योंकि तेज धूप में आपकी त्वचा झुलस सकती हैं और रंग काला पड़ सकता है.
- बाजार में उपलब्ध सिंथेटिक रंगों में हानिकारक केमिकल और शीशा भी हो सकता है, जिससे आपकी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है. इसलिए त्वचा और बालों पर अच्छे से तेल लगाएं और हो सके तो प्राकृतिक रंगों या घर पर बने टेसू के फूल वाले रंग से होली खेलें. कानों के पीछे, उंगिलयों के बीच में भी तेल अच्छे से लगाएं और नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना नहीं भूलें. बालों में नारियल तेल डालकर अच्छे से मसाज करें, इससे आपके बाल रूखे भी नहीं होंगे.
- शरीर के अधिकांश हिस्सों को रंगों से बचाने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, सूती रंग के ही कपड़े पहनें, क्योंकि भीगने पर सिंथेटिक कपड़े शरीर से चिपक जाते हैं और आपको उलझन महसूस हो सकती है.
- फलों और सब्जियों के छिलकों को सुखाकर उसमें टेल्कम पाउडर और संतरे के सूखे छिलकों के पाउडर को मिलाकर होली खेलना एक अच्छा विकल्प है. इसमें हल्दी पाउडर, जिंजर रूट पाउडर व दालचीनी पाउडर भी मिलाए जा सकते हैं, जो आपकी त्वचा के लिए हानिकारक साबित नहीं होंगे, लेकिन इन पाउडर को जोर से त्वचा पर मले नहीं, क्योंकि इससे लालिमा, खरोंच या दानें पड़ सकते हैं और त्वचा में जलन हो सकती है.
- होली खेलने के बाद सौम्य फेसवॉश या साबुन का ही इस्तेमाल करें, क्योंकि हार्श साबुन से त्वचा रूखी हो सकती है, नहाने के बाद मॉइश्चराइजर और बॉडी लोशन जरूर लगाएं.
- बालों को सौम्य हर्बल शैम्पू से अच्छी तरह से धुलें, ताकि अभ्रक युक्त और केमिकल वाले रंग बालों से अच्छी तरह से निकल जाएं, शैम्पू के बाद बालों का रूखापन दूर करने के लिए एक मग पानी में एक नींबू का रस मिलाकर धुलें या फिर बीयर से भी बाल धुला जा सकता है, इससे आपके बाल मुलायम रहेंगे.

क्या है होली और राधा-कृष्ण का संबंध

होली के पर्व का जिक्र आते ही मन रंगों से खेलने लगता है और प्रेम के इस पर्व में हर कोई राधा व कृष्ण हो जाना चाहता है। आप सोच रहे होगे कि राधा व कृष्ण का होली से क्या नाता है तो आइये जानते हैं। होली और राधा-कृष्ण का क्या संबंध है।

भगवान विष्णु ने जितने भी अवतार धारण किये हैं चित्रों के माध्यम से उन्हें सांवले रंग का दिखाया जाता है और भगवान श्री कृष्ण का तो नाम ही श्याम लिया जाता है। लेकिन उनका यह श्याम रंग बनने की कहानी है। दरअसल जब श्री कृष्ण के मामा कंस ने राक्षसी पुतना को जन्माष्टमी के दिन जन्मे शीशुओं को स्तन से विषपान करवाकर मरवाने के लिये भेजा तो श्री कृष्ण ने विषपान तो किया लेकिन भगवन का क्या बिगड़ना था, पुतना तो मारी गई लेकिन बाल गोपाल विषपान करने से श्याम वर्ण के हो गये। अब उन्हें यह चिंता सताने लगी कि इस श्याम रंग के साथ प्रिय सखी राधा सहित अन्य गोपियां उन्हें भाव नहीं देंगी। गौर वर्णीय राधा को जब भी वे देखते उन्हें स्वयं का श्याम वर्ण होना अखरने लगता। वे इसकी शिकायत अपनी मैया यशोदा से करते हैं वो गीत तो आपने भी सुना होगा यशोमति मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गौरी मैं क्यूं काला। तो माता उन्हें प्रसन्न करने के लिये सुझाव देती हैं वह भी राधा के मुख पर वैसा ही रंग लगा दे जैसा वे चाहते हैं। बस माता की शय मिलने की देर थी, नटखट श्याम राधा सहित सभी गोपियों को रंगने लग जाते हैं। धीरे-धीरे उनकी यह शरारत फैलने लगती है और ऋतुराज वसंत के इस प्यार भरे मौसम में एक दूसरे पर रंग डालने की यह लीला एक प्रेममयी परंपरा के रूप में हर साल फाल्गुन के महीने में निभायी जाने लगती है। होली के दिनों में मथुरा वृंदावन का नजारा तो आज भी देखते ही बनता है।

क्या है महत्व

वैसे यह श्री राधा व भगवान श्री कृष्ण की होली पर खेली गई यह प्रेम लीला एक प्रतीक भर है कि यह रंग कोई भौतिक रंग नहीं है बल्कि भक्ति का रंग है। भगवान का रंग है, सद्भावना का रंग है, विश्वास का रंग है जिनसे होली खेली जाती है। और जो होली जलाई जाती है वह संदेह की, अंहकार की, वैरभाव की, ईर्ष्या की होली जलाई जाती है जिसके उपरांत ही निष्काम प्रेम की कामना पूर्ण होती है और अपने आराध्य श्री कृष्ण की अपने ठाकुर जी की कृपा प्राप्त होती है।

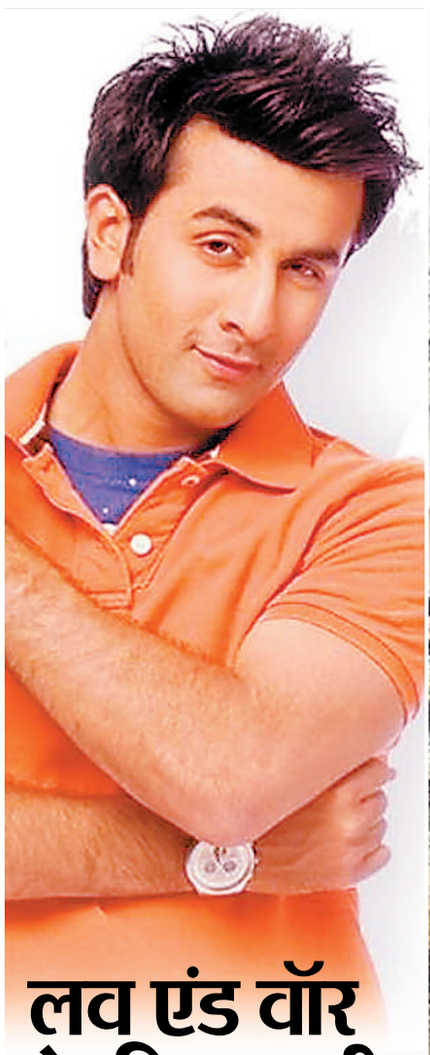

लव एंड वॉर के लिए कड़ी मेहनत कर रहे रणबीर

अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म लव एंड वॉर की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। फिल्म लव ट्रायंगल है, जिसकी वजह से लोग इस फिल्म को लेकर काफी ज्यादा उत्साहित हैं। रणबीर और आलिया की जोड़ी ब्रह्मास्त्र के बाद इस फिल्म में साथ नजर आने वाली है। वहीं, राजी के बाद आलिया और विक्की एक साथ दिखने वाले हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक रणबीर कपूर इस फिल्म के लिए काफी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में उनके ट्रेनर ने सोशल मीडिया पर रणबीर की एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह फंट लिवर पुल-अप करते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में रणबीर बिना शर्ट के अपने सिक्स पैक्स और मसल्स को दिखाते नजर आ रहे हैं। उनकी यह तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। फैंस इस फोटो पर ढेर सारे हार्ट और फायर इमोजी साझा कर अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, अद्भुत तो दूसरे ने कमेंट करते हुए लिखा, तबाही।

इफ्फी में रणबीर ने की थी भंसाली की जमकर तारीफ

कुछ महीने पहले रणबीर ने गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (इफ्फी) के दौरान लव एंड वॉर और संजय लीला भंसाली के साथ फिर से काम करने को लेकर अपने उत्साह का इजहार किया था। रणबीर ने कहा था, मैं बहुत उत्साहित हूं। वह मेरे गॉडफादर हैं। जो कुछ भी मुझे फिल्मों के बारे में पता है, जो कुछ भी मैं अभिनय के बारे में जानता हूं, वह सब कुछ मैंने उनसे ही सीखा है। उन्होंने आगे कहा, वह बिल्कुल नहीं बदले हैं। वह बेहद मेहनती हैं और हमेशा अपने फिल्मों के बारे में ही सोचते रहते हैं। वह सिर्फ अपने किरदार के बारे में बात करना चाहते हैं और चाहते हैं कि आप कुछ नया करें।

क्या वीर पहाड़िया को डेट कर रही हैं मानुषी छिल्लर?

अभिनेत्री ने बताया सच

मानुषी छिल्लर और वीर पहाड़िया के बीच कथित रोमांस की खबरें पिछले काफी समय से सुर्खियों में हैं। हालांकि, अभिनेत्री ने आखिरकार इस पर सफाई दे दी है। पूर्व मिस वर्ल्ड ने डेटिंग की अटकलों को सिरे से नकारते हुए वीर को अपना अच्छा दोस्त बताया है और इससे ज्यादा कुछ नहीं। कई बार दोनों को साथ देखे जाने के बावजूद, मानुषी ने साफ तौर पर कहा कि उनके बीच कोई रोमांस नहीं है, बस एक मजबूत दोस्ती है।

अफवाहों का किया खंडन

मानुषी छिल्लर ने वीर पहाड़िया के साथ बिताए गए समय के बारे में भी बात की। अभिनेत्री ने इंटरव्यू के दौरान अपने निजी जीवन के बारे में चल रही चर्चाओं के बारे में बात करते हुए कहा, मेरे निजी जीवन के बारे में लिखी गई बहुत सी बातें पूरी तरह से झूठी हैं और इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है।

दोस्ती को गलत समझ लेते हैं लोग

अपनी डेटिंग लाइफ को लेकर फैंस के बीच लगातार बनी रहने वाली चर्चा के बारे में बात करते हुए मानुषी ने बताया कि कैसे लोगों की धारणा अक्सर दोस्ती को गलत तरीके से पेश करती है। उन्होंने कहा, अगर मैं अपनी फीमेल फ्रेंड्स के साथ बहुत ज्यादा समय बिताती हूं तो क्या इसका मतलब यह है कि मुझे लड़कों में कोई दिलचस्पी नहीं है? और अगर मैं किसी मेल फ्रेंड्स के साथ घूमती हूं तो क्या इसका मतलब यह है कि हम डेटिंग कर रहे हैं?

निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं मानुषी

हालांकि, उन्होंने इन अटकलों पर सहमति भी जताई। उन्होंने कहा कि उन्हें यह देखकर मजा आता है कि लोग अभी भी लोगों को यह स्वीकार करने में मुश्किलें आती हैं कि एक लड़का और लड़की सिर्फ दोस्त हो सकते हैं। मानुषी ने यह भी बताया कि वह अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करती हैं, लेकिन इसका नकारात्मक पक्ष यह है कि इससे झूठी कहानियों को फैलने का मौका मिलता है।

वीर पहाड़िया को बताया अच्छा दोस्त

वीर पहाड़िया के साथ नाम जुड़ने की खबरों के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने हंसते हुए जवाब दिया, हे भगवान, बेचारा वीर। ऐसा नहीं हो सकता। नहीं, हम डेटिंग नहीं कर रहे हैं, बिल्कुल नहीं। वह एक अच्छे दोस्त हैं। वह इतने प्यारे थे कि उन्होंने मुझे एक शादी के दौरान कंपनी दी, जहां मैं किसी को नहीं जानती थी। बस इतना ही। उनके साथ मेरी सिर्फ यही बातचीत है।

लापता लेडीज के लिए आईफा अवॉर्ड मिलने पर प्रतिभा ने जताई खुशी

किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म लापता लेडीज की झोली में कई सारे आईफा अवॉर्ड्स आए हैं। एक अवॉर्ड प्रतिभा रांटा को भी मिला है। उन्हें बेस्ट डेब्यू (फीमेल) के लिए आईफा मिला। इस पर प्रतिभा ने खुशी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर एक नोट लिखा है। प्रतिभा का कहना है कि उनके लिए यह एक सपना सच होने जैसा है। प्रतिभा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। साझा की गई तस्वीरों में वे अपनी आईफा ट्रॉफी को चूमती नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा है, किसी ऐसी चीज के लिए स्वीकृति पाना एक खूबसूरत एहसास है, जिसे आप सचमुच प्यार करते हैं। मुझे बेस्ट डेब्यू फीमेल अवॉर्ड से सम्मानित करने के लिए आईफा का शुक्रिया। यह सचमुच एक सपने के सच होने जैसा है।

फिर साथ आएगी 'तनु वेड्स मनु' की जोड़ी, कंगना ने खत्म की माधवन के साथ अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

फिल्म 'तनु वेड्स मनु' की सुपरहिट जोड़ी कंगना रनौत और आर माधवन एक बार फिर एक साथ आ रहे हैं। दोनों की नई फिल्म की शूटिंग भी पूरी हो गई है। जिसकी जानकारी अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर करके दी है। हालांकि, फिल्म के टाइटल का अब तक खुलासा नहीं हुआ है। इस अनटाइटल्ड फिल्म की शूटिंग के खत्म होने के बाद कंगना ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में कंगना भीगी नजर आ रही हैं और उनके साथ निर्देशक विजय और बाकी के सदस्य पोज दे रहे हैं। तस्वीर में कंगना काफी खुश नजर आ रही हैं। फोटो शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, मेरे कुछ पसंदीदा कलाकारों के साथ आज अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग पूरी की। मिलते हैं सिनेमाघरों में।

कंगना ने 2023 में की थी फिल्म की घोषणा

कंगना 2015 में आई हिट फिल्म 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' के लगभग एक दशक के बाद अभिनेता आर माधवन के साथ नजर आएंगी। एएल विजय द्वारा निर्देशित इस पैन इंडिया मनोवैज्ञानिक थ्रिलर की घोषणा कंगना रनौत ने साल 2023 में की थी।

10 साल बाद साथ में नजर आएंगे कंगना-माधवन

कंगना रनौत और आर माधवन इससे पहले 2011 में आई 'तनु वेड्स मनु' और 2015 में आई 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स' में एक साथ नजर आए थे। इसके बाद दोनों किसी भी फिल्म में साथ में नजर नहीं आए। हालांकि, दोनों आपस में अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं।

100 करोड़ रुपये के भारी बजट में बन रही तुम्बाड 2

तुम्बाड अपनी मूल रिलीज के छह साल बाद बॉक्स ऑफिस पर पैसे कमाने वाली फिल्म साबित हुई। प्रशंसकों की मांग पूरी हुई और सोहम शाह ने लोक कथाओं पर आधारित सुपरनैचुरल थ्रिलर के सीक्वल की घोषणा की। वहीं, अब फिल्म की शूटिंग को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है। सोहम शाह हाल ही में क्रेजी में नजर आए हैं, लेकिन फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही है। वहीं, इस बीच अब सोहम ने अपनी ध्यान तुम्बाड के सीक्वल पर लगा दिया है।

फिल्म का बजट

तुम्बाड का सीक्वल 100 करोड़ रुपये के बजट पर बना है। तुम्बाड की दूसरी किस्त फिल्म के थिएटर में फिर से रिलीज होने के बाद आई है। दिलचस्प बात यह है कि मूल फिल्म तुम्बाड ने बजट में रहने के लिए कड़ी मेहनत की और जब यह निर्माण में थी, तब इसे वितरक भी नहीं मिले तो सोहम शाह को खुद फिल्म में पैसे लगाने पड़े। हालांकि, अब कुछ स्टूडियो ने 100 करोड़ रुपये का बजट होने के बावजूद, सीक्वल के लिए रुचि दिखाई है।

फिल्म की शूटिंग

तुम्बाड सीक्वल की शूटिंग 2025 में ही शुरू हो जाएगी। इसकी शूटिंग गर्मियों के अंत में शुरू होने की संभावना है। तुम्बाड 2 की कहानी पक्की हो गई है। फिल्म के लिए प्री-प्रोडक्शन का काम भी शुरू हो गया है, जिससे संकेत मिलते हैं कि तुम्बाड 2 जल्द ही फ्लोर पर आ जाएगी। हालांकि, इस बीच फिल्म के सीक्वल को लेकर कुछ विवाद की खबरें भी सामने आई थीं।

फिल्म के सीक्वल पर विवाद

तुम्बाड के निर्देशक राही अनिल बर्वे और सोहम शाह ने तुम्बाड को लेकर विपरीत बयान दिए हैं। अभिनेता का दावा है कि तुम्बाड की कभी भी सीक्वल के रूप में कल्पना नहीं की गई थी और इसे एक स्टैंडअलोन फिल्म माना जाता था। वहीं, निर्देशक राही अनिल बर्वे का एक अलग विचार था। उन्होंने कहा था कि तुम्बाड हमेशा एक ट्राइलॉजी का पहला भाग था और जब उन्होंने ट्राइलॉजी की कहानियों को लिखा था।

सलमान से लेकर शाहरुख तक, फीस के मामले में सबसे आगे हैं ये बॉलीवुड सितारे

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कुछ अभिनेता अभिनय के अलावा अपनी फीस की वजह से भी चर्चा में रहते हैं। हाल ही में सलमान खान को लेकर ये बात सामने आई थी कि उन्होंने सिकंदर के लिए 120 करोड़ की फीस ली है। सलमान की फीस पर लगातार हो रही चर्चा के बीच आज हम आपको बॉलीवुड के उन प्रमुख सितारों के बारे में बताएंगे जो अपनी फीस के मामले में सबसे आगे हैं।

सलमान खान

सलमान खान का नाम बॉलीवुड के सबसे बड़े सितारों में शुमार है। उनकी फीस भी किसी से कम नहीं है। सलमान खान प्रति फिल्म 100 करोड़ रुपये से लेकर 150 करोड़ रुपये तक की फीस लेते हैं। 2023 में रिलीज हुई टाइगर 3 में सलमान ने शानदार अदाकारी दिखाई। इसके लिए उन्हें 100 करोड़ रुपये से अधिक की फीस मिली। सलमान की फिल्मों का दर्शकों को हमेशा बेसब्री से इंतजार रहता है। इन दिनों वह सिकंदर के लिए ली गई फीस की वजह से भी चर्चा में हैं।

शाहरुख खान

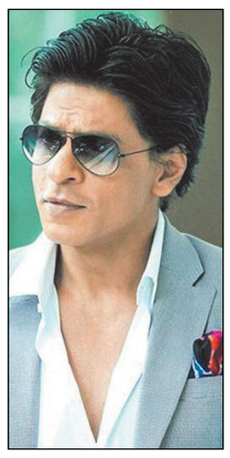

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की बात करें तो वह उन सितारों में शुमार हैं, जिनकी फीस की काफी चर्चा होती है। किंग खान की हर फिल्म के लिए फीस का आंकड़ा 150 करोड़ रुपये से लेकर 250 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। 2023 में शाहरुख खान ने धमाकेदार वापसी की थी। उन्होंने लगातार तीन हिट फिल्में पठान, जवान, और डंकी दीं। इन तीनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और शाहरुख की स्टार पावर को और भी मजबूत किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जवान के लिए शाहरुख ने लगभग 100 करोड़ रुपये की फीस ली थी।

आमिर खान

आमिर खान अपने किरदारों की गहरी तैयारी और हर फिल्म में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए जाने जाते हैं। वह बॉलीवुड के सबसे महंगे अभिनेताओं में से एक हैं। आमिर खान की फीस 100 करोड़ रुपये से लेकर 275 करोड़ रुपये तक होती है। 2017 में दंगल के लिए उन्होंने 275 करोड़ रुपये कमाए थे। उनकी ये कमाई प्रॉफिट-शेयरिंग एग्रीमेंट के तहत हुई थी।

अक्षय कुमार

अक्षय कुमार का नाम बॉलीवुड के सबसे मेहनती और सबसे व्यस्त अभिनेता के रूप में लिया जाता है। वह हर साल कई फिल्मों में काम करते हैं। उनकी फीस भी काफी ज्यादा होती है। अक्षय कुमार की फीस प्रति फिल्म 60 करोड़ रुपये से लेकर 145 करोड़ रुपये तक हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।